मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 227
मंगलवार, 03 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, 02 मार्च। सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित 'सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली' कार्यक्रम में शिरकत की और संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं, चाहे वह सैनिकों के रूप में देश की सीमाओं की रक्षा करना हो, वैज्ञानिकों के रूप में शोध करना हो या अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में देश का नाम रोशन करना हो।

राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाएं राजनीति, सामाजिक सेवा, प्रशासन और व्यापार में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं और देशभर में दीक्षांत समारोहों में डिग्री और पदक प्राप्त करने वाली लड़कियों की बढ़ती संख्या एक प्रेरणादायक तस्वीर पेश करती है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिंसा, आर्थिक असमानता, सामाजिक रूढ़िवादिता और स्वास्थ्य संबंधी उपेक्षा जैसी चुनौतियाँ महिलाओं की प्रगति में बाधा बनी हुई हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि एक महिला तभी सही मायने में सशक्त होगी जब वह स्वतंत्र निर्णय ले सकेगी, आत्मसम्मान के साथ जीवन जी सकेगी और उसे समान अवसर और सुरक्षा प्राप्त होगी।

उन्होंने आगे कहा कि एक सशक्त महिला न केवल अपना जीवन बदल सकती है, बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ियों की दिशा भी बदल सकती है। सरकारी पहलों पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना जैसी योजनाएँ लड़कियों की शिक्षा और सुरक्षा को बढ़ावा दे रही हैं, जबकि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना लाखों महिलाओं को धूम्रपान से मुक्ति दिलाकर उनके स्वास्थ्य की रक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना महिलाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण प्राप्त करने में सक्षम बना रही है, और लखपति दीदी योजना जैसी पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद कर रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं का सशक्तिकरण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक सदस्य और संस्था की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षित करना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें प्रोत्साहन एवं समर्थन प्रदान करना एक सामूहिक कर्तव्य है।

नवीन पटनायक ने केंद्र से लगाई ओडिशा के लोगों की सुरक्षित वापसी की गुहार

ओडिसा, 02 मार्च। मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के बीच, बीजू जनता दल (बीजेडी) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने सोमवार को भारत सरकार से क्षेत्र में फंसे ओडिशा के लोगों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया। एक बयान में, पटनायक ने कहा कि मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के कारण प्रवासी श्रमिकों, पेशेवरों, छात्रों और पर्यटकों सहित ओडिशा के कई लोग फंसे हुए हैं। हवाई संपर्क बाधित होने से कई लोग गंभीर अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। उनकी सुरक्षा और कल्याण खतरे में है, और वे तत्काल सहायता के लिए देश की ओर देख रहे हैं।

पटनायक ने आगे कहा कि भारत सरकार से अनुरोध है कि इस संघर्ष में फंसे सभी ओडिशावासियों की सुरक्षित निकासी और वापसी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाएं। त्वरित कार्रवाई न केवल जीवन की रक्षा करेगी बल्कि घर पर अनगिनत परिवारों को भी आश्वस्त करेगी जो अपने प्रियजनों के कुशल-मंगल के बारे में जानने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आज सुबह, एआईएडीएमके सांसद आई एस इनबादुराई ने विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सहित मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में उत्पन्न हो रही स्थिति पर चिंता व्यक्त की और सरकार से इस क्षेत्र में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया।

विदेश मंत्री को लिखे पत्र में, इनबादुराई ने तमिलनाडु के परिवारों की चिंताओं को उजागर किया, विशेष रूप से एआईएडीएमके महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी द्वारा किए गए अनुरोध के बाद, जिन्होंने केंद्र से मध्य पूर्वी देशों में रहने वाले भारतीयों, विशेषकर तमिलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया था। इनबादुराई ने लिखा कि मैं संयुक्त अरब अमीरात सहित मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में व्याप्त तनावपूर्ण और बदलती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए आपको यह पत्र लिख रहा हूं। इस संदर्भ में, हमारी पार्टी के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी द्वारा इस क्षेत्र में रहने वाले भारतीयों और विशेष रूप से तमिलों की सुरक्षा के लिए किया गया।

बहरीन राजा और सऊदी क्राउन प्रिंस से पीएम मोदी ने की बात

नई दिल्ली, 02 मार्च। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद और बहरीन के राजा हमद बिन ईसा अल खलीफा से फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं से हुई बातचीत के दौरान, प्रधानमंत्री ने सऊदी अरब और बहरीन पर ईरान के हमलों की निंदा की और दोनों देशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के कल्याण पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पोस्ट में लिखा कि बहरीन के राजा, महामहिम हमद बिन ईसा अल खलीफा से सार्थक फोन पर बातचीत हुई। भारत बहरीन पर हुए हमलों की निंदा करता है और इस कठिन घड़ी में वहां के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। बहरीन में भारतीय समुदाय को दिए गए उनके अटूट समर्थन के लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं।

मोदी ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि मैंने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री, महामहिम प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ पश्चिम एशिया में उभरती स्थिति पर चर्चा की। भारत सऊदी अरब पर हाल ही में हुए हमलों की निंदा करता है, जो उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन हैं। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री मोदी खाड़ी देशों के नेताओं के साथ नियमित रूप से संपर्क में हैं। रविवार को उन्होंने अपने इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की और क्षेत्र में सभी प्रकार की शत्रुता को जल्द समाप्त करने के लिए भारत की अपील को दोहराया।

नेतन्याहू के अलावा, उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से भी बात की, खाड़ी देशों पर ईरानी हमलों की निंदा की और क्षेत्र में तनाव कम करने का आह्वान किया। उन्होंने यूएई में भारतीय समुदाय की देखभाल करने के लिए अल नाहयान को धन्यवाद भी दिया। प्रधानमंत्री ने स्थिति की समीक्षा के लिए कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की अध्यक्षता भी की। सीसीएस की बैठक रविवार रात को हुई, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोवाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन, विदेश सचिव विक्रम मिसरी और अन्य उपस्थित थे।

चीन-पाकिस्तान की बढ़ी टेंशन, रुस से 5 और एस-400 खरीदेगा भारत

नई दिल्ली, 02 मार्च। ऐसे समय में जब चीन की वायु रक्षा प्रणालियाँ वैश्विक स्तर पर विफल हो चुकी हैं, भारत रूस से एस-400 सुदर्शन मिसाइल प्रणाली के पाँच और स्क्वाड्रन खरीदने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इन मिसाइल प्रणालियों ने पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कई पाकिस्तानी विमानों को मार गिराकर अपनी क्षमता साबित की थी। भारतीय पक्ष पिछले साल पाकिस्तान के खिलाफ मिली बड़ी सफलता के बाद इन पाँच अतिरिक्त स्क्वाड्रनों की खरीद कर रहा है। उस दौरान एस-400 मिसाइल से एक उच्च-मूल्य वाले पाकिस्तानी जासूसी विमान को मार गिराकर भारत ने अब तक की सबसे लंबी हवाई मारक क्षमता का रिकॉर्ड भी बनाया था।

रक्षा अधिकारियों ने एएनआई को बताया कि रक्षा मंत्रालय जल्द ही रूसी वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों के पाँच अतिरिक्त स्क्वाड्रनों की खरीद के भारतीय वायु सेना के प्रस्ताव को मंजूरी देने के लिए आगे की कार्रवाई करेगा। इन मिसाइलों को पूर्वी और पश्चिमी दोनों मोर्चों पर तैनात किया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर में, पाकिस्तान ने चीनी मूल के HQ-9 वायु रक्षा प्रणालियों के अतिरिक्त स्क्वाड्रन तैनात किए थे, जो पाकिस्तान के अंदर कई आतंकी ठिकानों को मार गिराने वाले भारतीय विमानों के सामने कुछ खास असर नहीं डाल सके। पिछले महीने वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई के दौरान भी HQ-9 वायु रक्षा प्रणाली वेनेजुएला के नेतृत्व की रक्षा करने में विफल रही, जबकि अमेरिकी और इजरायली वायु सेना द्वारा ईरान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन एपिक फ्यूरी में भी ये नाकाम रहीं। भारतीय वायु रक्षा प्रणालियों ने न केवल कई पाकिस्तानी विमानों को मार गिराया, बल्कि पाकिस्तान की ओर से दागी गई क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों को भी नष्ट कर दिया।

भारतीय वायु सेना की S-400 वायु रक्षा प्रणाली ने चार दिनों तक चले संघर्ष के दौरान पाकिस्तान के अंदर 300 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर पांच से छह पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों और एक जासूसी विमान को मार गिराया, जिसे भारतीय वायु सेना ने निर्णायक बताया है।

भारतीय वायु सेना अपनी हवाई रक्षा क्षमताओं को और मजबूत करने के लिए बड़ी संख्या में मिसाइलें खरीदने की योजना बना रही है। सूत्रों के अनुसार, इस संबंध में रूस के साथ बातचीत चल रही है और इसके लिए जल्द ही निविदा जारी की जाएगी। भारत और रूस ने 2018 में एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली के पांच स्क्वाड्रन खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। भारतीय पक्ष अपने बेड़े में और अधिक एस-400 स्क्वाड्रन जोड़ना चाहता है और रूस से शेष दो स्क्वाड्रन की आपूर्ति करने का अनुरोध कर रहा है, जिनमें से तीन पहले ही शामिल किए जा चुके हैं और परिचालन में हैं। भारतीय रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) भी प्रतिष्ठित परियोजना कुशा के तहत अपनी खुद की लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली विकसित करने पर काम कर रहा है।

टीएमसी को वोट दिया तो दीदी नहीं, भाईपो राज करेंगे': अमित शाह

कोलकता, 02 मार्च। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर परिवारवाद की राजनीति को बढ़ावा देने और राज्य में विकास सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। मथुरपुर में एक परिवर्तन यात्रा सभा को संबोधित करते हुए शाह ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार बंगाल की जनता के बजाय अभिषेक बनर्जी के लाभ के लिए काम कर रही है और मतदाताओं से बदलाव के लिए भाजपा का समर्थन करने का आह्वान किया।

शाह ने कहा कि ममता बनर्जी का उद्देश्य बंगाल की जनता का कल्याण नहीं है। बंगाल की जनता के कल्याण के बजाय, वह अभिषेक बनर्जी को फायदा पहुंचाना चाहती हैं। वह अभिषेक बनर्जी को मुख्यमंत्री बनाना चाहती हैं। गृह मंत्री ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि उनके नाम टीएमसी की सूचियों में नहीं आ सकते, लेकिन वे भाजपा का हिस्सा बन सकते हैं, और इस बात पर जोर दिया कि उनकी पार्टी परिवारवाद की राजनीति में शामिल नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि बंगाल के सभी युवाओं, आपका नाम कहाँ है? टीएमसी की सूची में आपका नाम नहीं हो सकता। आपका नाम केवल नरेंद्र मोदी की पार्टी की सूची में हो सकता है। भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो परिवारवाद की राजनीति नहीं करती। आज मैं आपको यह बताने आया हूँ कि आपको परिवारवाद की राजनीति करना बंद करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि टीएमसी को समर्थन जारी रखने से ममता बनर्जी की जगह अभिषेक बनर्जी सत्ता में आ सकते हैं।

अरविंद केजरीवाल की रिहाई के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची सीबीआई

नई दिल्ली। आबकारी नीति मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य को बरी करने वाले विशेष अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए, सीबीआई ने दिल्ली उच्च न्यायालय में दलील दी कि यह आदेश अभियोजन पक्ष के मामले की चुनिंदा व्याख्या पर आधारित था, जिसमें आरोपियों की संलिप्तता दर्शाने वाली सामग्री को नजरअंदाज किया गया था, और यह स्पष्ट रूप से अवैध था। उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी 974 पृष्ठों की याचिका में, सीबीआई ने कहा कि विशेष न्यायाधीश ने अनिवार्य रूप से एक संक्षिप्त सुनवाई की, जिसमें आरोपियों के कार्यों का समग्र रूप से आकलन करने के बजाय साजिश के अलग-अलग पहलुओं से अलग-अलग निपटा गया।

युद्ध नहीं, शांति ही बदलती दुनिया की अनिवार्य अपेक्षा

-ललित गर्ग

नई बनती दुनिया का चेहरा जितनी तेजी से बदल रहा है, उतनी ही तेजी से वैश्विक असुरक्षा की भावना भी गहराती जा रही है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं है, बल्कि वह एक ऐसे वैश्विक असंतुलन का संकेत है जिसमें शक्ति संतुलन की पुरानी व्यवस्थाएं टूट रही हैं और नई विश्व-व्यवस्था अभी स्थिर रूप नहीं ले सकी है। जब महाशक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष युद्ध में उतरती हैं, तब उसका प्रभाव सीमाओं से परे जाकर समूची मानवता को प्रभावित करता है। ऊर्जा बाजार, आपूर्ति श्रृंखलाएं, मुद्रा विनिमय दरें, शेयर बाजार, खाद्य सुरक्षा, शांतिपूर्ण मानव जीवन और कूटनीतिक समीकरण-सब कुछ अनिश्चितता के घेरे में आ जाता है। मध्यपूर्व में किसी भी बड़े युद्ध का पहला असर तेल आपूर्ति पर पड़ता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाली वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति यदि बाधित होती है तो तेल की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देश के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती लेकर आती है-एक ओर आयात बिल बढ़ता है, दूसरी ओर महंगाई और राजकोषीय दबाव में वृद्धि होती है। यदि कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं तो परिवहन, उर्वरक, बिजली और विनिर्माण लागत में वृद्धि अनिवार्य है, जिसका सीधा असर आम नागरिक की जेब पर पड़ता है। वैश्विक वित्तीय बाजार पहले ही अनिश्चितता से जूझ रहे हैं, ऐसे में लंबा खिंचता युद्ध निवेश और विकास की गति को भी धीमा कर सकता है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल दो देशों का संघर्ष नहीं, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था की परीक्षा है। ऐसे समय में युद्ध को तेज करने के बजाय उसे रोकने की कोशिशों को और अधिक गति देने की आवश्यकता है। दोनों पक्षों से परिपक्वता और संयम की अपेक्षा है, विशेषकर अमेरिका से, जो स्वयं को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में देखता है और जिसे शक्ति के साथ-साथ जिम्मेदारी का भी परिचय देना चाहिए। एक तेल उत्पादक देश के रूप में ईरान का अस्तित्व और स्थिरता विश्व अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है; वहां की अस्थिरता ऊर्जा बाजार से लेकर विकासशील देशों की वित्तीय संरचना तक को प्रभावित कर सकती है। हालिया हमलों में सैकड़ों लोगों के मारे जाने, हजारों के घायल होने और बड़ी संख्या में लोगों के फंसे होने की खबरें मानवता के लिए गहरी चिंता का विषय हैं। ईरान में शीर्ष नेतृत्व पर हमलों और उसके बाद तेहरान आदि मुस्लिम देशों की तीखी प्रतिक्रियाओं ने पश्चिम एशिया के हालात को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा; इसका प्रभाव दक्षिण एशिया की भू-राजनीति, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, वैश्विक कूटनीतिक संतुलन और विश्व अर्थव्यवस्था पर दूरगामी होगा।

युद्ध आर्थिक संकट ही नहीं लाता, वह सामाजिक ताने-बाने को तोड़ता है, सांस्कृतिक संवाद को बाधित करता है और राष्ट्रों के बीच अविश्वास की दीवारें ऊंची करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि बदलती दुनिया में सह-अस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की भावना को पुनर्जीवित किया जाए। शक्ति प्रदर्शन के स्थान पर समझदारी, प्रतिशोध के स्थान पर कूटनीति और वर्चस्व के स्थान पर साझी जिम्मेदारी-इन्हीं मूल्यों से विश्व को स्थिरता मिल सकती है। यह संघर्ष केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैचारिक और भू-राजनीतिक भी है। यूक्रेन संकट के बाद विश्व पहले ही ध्रुवीकरण की दिशा में बढ़ चुका था। अब यदि पश्चिम एशिया में स्थायी अस्थिरता पैदा होती है तो वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए संतुलन साधना कठिन हो जाएगा। भारत एक ओर अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध भी रहे हैं। इसके साथ ही इजरायल के साथ रक्षा और तकनीकी सहयोग भी मजबूत हुआ है। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ खुलकर खड़े होना भारत की बहुस्तरीय विदेश नीति के लिए जटिल प्रश्न बन सकता है।

भारत की विशेष चिंता यह भी है कि मध्यपूर्व में लगभग 90 लाख भारतीय कार्यरत हैं। यदि युद्ध की आग फैलती है तो न केवल उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ेगी, बल्कि भारत को मिलने वाली अरबों डॉलर की प्रेषण राशि पर भी प्रभाव पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, लाल सागर और खाड़ी क्षेत्र में समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ने से व्यापारिक शिपमेंट महंगे हो सकते हैं। यह परिस्थिति भारत के विकास पथ पर दबाव डाल सकती है, जो अभी विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है। ऐसे समय में भारत की भूमिका केवल एक प्रभावित राष्ट्र की नहीं, बल्कि एक संभावित मध्यस्थ और संतुलनकर्ता की भी हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में बहुध्रुवीय कूटनीति की जो नीति अपनाई है, वह इसी प्रकार की जटिल परिस्थितियों में उपयोगी सिद्ध हो सकती है। भारत ने एक ओर अमेरिका के साथ सामरिक साझेदारी को सुदृढ़ किया है, वहीं रूस से ऊर्जा सहयोग बनाए रखा है और पश्चिम एशिया के देशों के साथ भी संतुलित संबंध कायम रखे हैं। यह ह्लरणनीतिक स्वायत्तताह्व की नीति भारत को किसी एक खेमे में बंधने से बचाती है। भारत का यह दृष्टिकोण उसे संवाद और शांति प्रयासों के लिए विश्वसनीय मंच प्रदान कर सकता है।

भारत इस समय ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, जिसमें ईरान भी सदस्य बन चुका है। यह मंच वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त करने का अवसर देता है। यदि भारत इस मंच के माध्यम से युद्धविराम, संवाद और बहुपक्षीय समाधान की पहल करता है, तो वह न केवल अपनी कूटनीतिक विश्वसनीयता बढ़ा सकता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी योगदान दे सकता है। संयुक्त राष्ट्र की निष्क्रियता या सीमित प्रभाव के बीच मध्यम शक्तियों की भूमिका बढ़ना स्वाभाविक है। भारत, जो स्वयं उपनिवेशवाद और शीत युद्ध की राजनीति से सीख लेकर उभरा है, शांति-आधारित बहुपक्षवाद का पक्षधर बन सकता है। दूसरी ओर, दक्षिण एशिया में भी चुनौतियां कम नहीं हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और आंतरिक अस्थिरता का प्रभाव भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन पर पड़ सकता है। यदि पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ती है और साथ ही दक्षिण एशिया में भी उथल-पुथल होती है, तो भारत को दो मोर्चों पर रणनीतिक सतर्कता रखनी होगी। आतंकवाद, कट्टरता और अवैध हथियारों का प्रसार ऐसे वातावरण में बढ़ सकता है। अतः भारत के लिए यह समय केवल आर्थिक प्रबंधन का नहीं, बल्कि सुरक्षा और कूटनीतिक संयम का भी है।

समाधान क्या हो सकता है? प्रथम, युद्धविराम और संवाद की बहुपक्षीय पहल को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वैश्विक शक्तियों को यह समझना होगा कि स्थायी शांति केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि राजनीतिक समझौते और पारस्परिक सम्मान से आती है। द्वितीय, ऊर्जा आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोतों और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश को तेज करना होगा, ताकि तेल-निर्भरता कम हो और भू-राजनीतिक संकटों का असर सीमित किया जा सके। तृतीय, वैश्विक संस्थाओं का पुनर्गठन आवश्यक है, ताकि वे केवल महाशक्तियों के प्रभाव का साधन न बनकर न्यायपूर्ण और प्रभावी मंच बन सकें। चतुर्थ, क्षेत्रीय संवाद मंचों-जैसे ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। भारत के लिए भी यह अवसर है कि वह ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व की अपनी परंपरा को व्यवहार में उतारे। शांति, सहअस्तित्व और संवाद का संदेश केवल भाषणों तक सीमित न रहकर ठोस कूटनीतिक पहलों में दिखना चाहिए। यदि भारत ऊर्जा विविधीकरण, रक्षा आत्मनिर्भरता, डिजिटल और हरित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाता है, तो वह वैश्विक संकटों के बीच भी स्थिरता बनाए रख सकता है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सक्रियता-चाहे वह बहुपक्षीय मंचों पर भागीदारी हो या क्षेत्रीय देशों के साथ प्रत्यक्ष संवाद-भारत की अस्मिता और हितों की रक्षा के प्रयास का संकेत देती है।

निश्चित तौर पर युद्ध किसी भी देश के लिए स्थायी लाभ का माध्यम नहीं बन सकता। इतिहास गवाह है कि शक्ति-प्रदर्शन से अस्थायी विजय मिल सकती है, किंतु स्थायी शांति केवल न्याय, संवाद और सहयोग से ही आती है। नई बनती दुनिया को यदि स्थिर और मानवीय बनाना है, तो उसे हथियारों की दौड़ से आगे बढ़कर सहअस्तित्व की संस्कृति अपनानी होगी। भारत, जो स्वयं विविधता और सहिष्णुता का प्रतीक है, इस परिवर्तन का अग्रदूत बन सकता है। चुनौती बड़ी है, किंतु अवसर भी उतना ही व्यापक है-शर्त यह है कि विश्व नेतृत्व युद्ध की भाषा छोड़कर शांति की भाषा सीखे और भारत अपने संतुलित, स्वायत्त और दूरदर्शी दृष्टिकोण से इस वैश्विक उथल-पुथल में स्थिरता का स्तंभ बने।

तेहरान से उठी आग, दुनिया में बढ़ी वैचारिक और सामरिक हलचल

-सुरेश गांधी

ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य टकराव तथा संयुक्त राज्य अमेरिका की सक्रिय भूमिका ने वैश्विक राजनीति को नए तनावपूर्ण दौर में ला खड़ा किया है। तेहरान पर कथित एयरस्ट्राइक, एयर डिफेंस सिस्टम की विफलता और अली खामेनेई को लेकर फैलती विरोधाभासी खबरों ने हालात को और जटिल बना दिया है। मध्य-पूर्व का यह संघर्ष अब केवल सीमित युद्ध नहीं, बल्कि तकनीकी ताकत, वैचारिक ध्रुवीकरण और सूचना युद्ध का मिश्रित रूप बनता जा रहा है, जिसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था से लेकर भारत की राजनीतिक बहसों तक स्पष्ट दिखाई दे रहा है...

मध्य-पूर्व एक बार फिर वैश्विक राजनीति का केंद्र बन गया है। ईरान, इजरायल और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया, बल्कि यह वैचारिक, सामरिक और तकनीकी प्रतिस्पर्धा का नया अध्याय बनता दिख रहा है। तेहरान समेत कई शहरों पर कथित एयरस्ट्राइक, ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम की कमजोरी पर उठते सवाल, और साथ ही अली खामेनेई को लेकर फैलती विरोधाभासी खबरों ने पूरी दुनिया में अनिश्चितता का वातावरण बना दिया है। हालांकि, यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि खामेनेई की मृत्यु को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है, लेकिन अफवाहों और सूचनाओं के युद्ध ने हालात को और अधिक जटिल बना दिया है। आज का संघर्ष केवल मिसाइलों और ड्रोन का नहीं, बल्कि नैरेटिव, तकनीक और वैश्विक प्रभाव का भी है।

एयरस्ट्राइक और ईरान का एयर डिफेंस : तकनीक बनाम वास्तविक युद्ध

रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए कथित संयुक्त हवाई हमलों ने ईरान के कई सामरिक ठिकानों को निशाना बनाया। इस घटनाक्रम ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा कर दिया—क्या आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम वास्तविक युद्ध परिस्थितियों में उतने सक्षम हैं जितना दावा किया जाता है? ईरान ने हाल के वर्षों में अपने रक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए चीन से उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम खरीदे थे। इन प्रणालियों को रूस के र-300 के समकक्ष माना जाता है। लेकिन यदि कथित हमलों में ये सिस्टम प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया नहीं दे पाए, तो यह केवल ईरान की तकनीकी चुनौती नहीं बल्कि चीन की रक्षा तकनीक की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिन्ह है। यह पहला अवसर नहीं है जब चीनी रक्षा प्रणालियों पर सवाल उठे हों। दक्षिण एशिया में भी आधुनिक युद्ध तकनीक की वास्तविक क्षमता पर चर्चा तेज हुई थी। इससे यह स्पष्ट होता है कि युद्ध केवल हथियार खरीदने से नहीं जीता जाता—इंटेलिजेंस, नेटवर्किंग, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और ऑपरेशनल तैयारी अधिक निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

मध्य-पूर्व का बदलता शक्ति संतुलन

ईरान और इजरायल के बीच टकराव कोई नया नहीं है, लेकिन हालिया घटनाओं ने इसे खुली सैन्य प्रतिस्पर्धा के स्तर तक पहुंचा दिया है। इजरायल लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता रहा है, जबकि ईरान खुद को क्षेत्रीय शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहता है। अमेरिका की भूमिका इस संघर्ष में निर्णायक रही है। अमेरिका पारंपरिक रूप से इजरायल का रणनीतिक सहयोगी रहा है, जबकि ईरान लंबे समय से अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है।

इस टकराव का एक बड़ा आयाम ह्लप्रॉक्सी वॉरह्व भी है, जहां सीधे युद्ध के बजाय विभिन्न समूहों और सीमित सैन्य कार्रवाइयों के माध्यम से शक्ति संतुलन बनाया जाता है।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान तनावः एक और मोर्चा

इधर पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ता सीमा तनाव भी क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ा रहा है। दोनों देशों के संबंध लंबे समय से अविश्वास पर आधारित रहे हैं, लेकिन हाल के महीनों में सीमा झड़पों और आतंकी गतिविधियों ने इसे और गंभीर बना दिया है। यह स्थिति बताती है कि इस्लामी देशों के बीच भी राजनीतिक और सामरिक हित अक्सर धार्मिक पहचान से अधिक प्रभावी होते हैं। यही कारण है कि मुस्लिम देशों के भीतर भी अलग-अलग गुट दिखाई देते हैं—कोई ईरान के साथ है, तो कोई उसके विरोध में।

ओमान और दुबई पर मिसाइलों की चर्चाः क्षेत्रीय संघर्ष का विस्तार

मीडिया रिपोर्टों में यह भी कहा गया कि ईरान ने कथित रूप से ओमान और दुबई की दिशा में मिसाइलें दागीं। यदि यह स्थिति व्यापक रूप से सत्यापित होती है, तो यह संघर्ष को क्षेत्रीय से वैश्विक संकट में बदल सकती है, क्योंकि खाड़ी क्षेत्र विश्व ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।

तेल बाजारों में हलचल और समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा पर बढ़ते खतरे ने विश्व अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है।

खामेनेई को लेकर विरोधाभासी खबरें: सूचना युद्ध का नया दौर

आधुनिक युद्ध में सूचना सबसे बड़ा हथियार बन चुकी है। खामेनेई की स्थिति को लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग दावे सामने आए—कहीं उनकी मृत्यु की बात, कहीं गंभीर रूप से घायल होने की चर्चा, तो कहीं पूरी तरह सुरक्षित होने का दावा। यही सूचना युद्ध का सबसे खतरनाक पहलू है—सत्य और प्रचार के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है। ईरान जैसे देशों में जहां सूचना नियंत्रण कड़ा होता है, वहां अफवाहें और तेजी से फैलती हैं। दूसरी ओर, विरोधी देश भी मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने के लिए ऐसी सूचनाओं का उपयोग करते हैं।

भारत में प्रतिक्रियाएंः भावनाएं, राजनीति और वैचारिक विभाजन

भारत में मध्य-पूर्व से जुड़े घटनाक्रम हमेशा भावनात्मक और राजनीतिक प्रतिक्रियाएं पैदा करते रहे हैं। इस बार भी ऐसा ही देखने को मिला। सोशल मीडिया पर अलग-अलग समूहों ने अपने वैचारिक दृष्टिकोण के अनुसार प्रतिक्रिया दी। कुछ समूहों ने इसे अमेरिका-इजरायल की आक्रामकता बताया, तो कुछ ने ईरान की क्षेत्रीय नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। यह समझना जरूरी है कि भारत का आधिकारिक रुख हमेशा संतुलित रहा है—भारत ने एक ओर इजरायल से रणनीतिक संबंध मजबूत किए हैं, तो दूसरी ओर ईरान के साथ ऊर्जा और कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर सहयोग जारी रखा है।

मुस्लिम दुनिया की आंतरिक राजनीतिः एकरूपता का भ्रम

अक्सर यह मान लिया जाता है कि मुस्लिम देश किसी भी मुद्दे पर एकजुट होते हैं, लेकिन वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। मध्य-पूर्व की राजनीति कई स्तरों पर विभाजित है :- शिया बनाम सुन्नी राजनीतिक ध्रुवीकरण

क्षेत्रीय नेतृत्व की प्रतिस्पर्धा, अमेरिका और चीन के प्रभाव की होड़, ऊर्जा बाजार पर नियंत्रण. इसी कारण ईरान पर हमला होने पर सभी मुस्लिम देशों की प्रतिक्रिया एक जैसी नहीं होती।

तकनीकी युद्ध का नया युगः ड्रोन, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक हमला

हालिया संघर्षों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य के युद्ध केवल टैंक और मिसाइलों से नहीं लड़े जाएंगे।

तीन नए आयाम तेजी से उभरे हैं : ड्रोन स्वार्म तकनीक, साइबर वॉरफेयर, इलेक्ट्रॉनिक जामिंग. यदि किसी देश का एयर डिफेंस नेटवर्क डिजिटल रूप से बाधित कर दिया जाए, तो अत्याधुनिक सिस्टम भी बेअसर हो सकते हैं।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

मध्य-पूर्व में अस्थिरता का सीधा असर तेल की कीमतों पर पड़ता है। ईरान-इजरायल तनाव बढ़ने से : कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, शिपिंग लागत में वृद्धि, निवेश बाजार में अनिश्चितता। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देशों के लिए यह स्थिति आर्थिक चुनौती बन सकती है।

क्या यह तीसरे विश्व युद्ध की प्रस्तावना है?

यह प्रश्न बार-बार उठता है, लेकिन वास्तविकता अधिक जटिल है। दुनिया अभी पूर्ण युद्ध के बजाय नियंत्रित संघर्ष के दौर में है। बड़े देश सीधे युद्ध से बचना चाहते हैं, लेकिन सीमित सैन्य कार्रवाइयों के माध्यम से रणनीतिक दबाव बनाए रखते हैं।

युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं, विचारों में भी

ईरान-इजरायल तनाव, खामेनेई को लेकर अटकलें, एयर डिफेंस सिस्टम की बहस, और दुनिया भर में वैचारिक प्रतिक्रियाएं—ये सब मिलकर एक बड़े वैश्विक बदलाव की ओर संकेत कर रहे हैं। आज का संघर्ष तीन स्तरों पर चल रहा हैः सैन्य शक्ति, तकनीकी श्रेष्ठता, सूचना और नैरेटिव नियंत्रण. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम को धार्मिक या भावनात्मक चश्मे से देखने के बजाय भू-राजनीतिक दृष्टि से समझना अधिक आवश्यक है। दुनिया एक संक्रमणकाल से गुजर रही है—जहां गठबंधन बदल रहे हैं, तकनीक युद्ध की परिभाषा बदल रही है, और सूचना सत्य से अधिक प्रभावशाली होती जा रही है। ऐसे समय में संतुलित विश्लेषण ही सबसे बड़ी आवश्यकता है, क्योंकि युद्ध केवल मोर्चों पर नहीं, बल्कि समाजों के भीतर भी लड़े जा रहे हैं।

आत्मीय इंद्रधनुषी रंगों से ओत-प्रोत हर्षोल्लास का वैश्विक महापर्व होली

संजीव ठाकुर

होली और होलिकात्सव यह एक ऐसा अद्भुत त्यौहार है जिसे देश मे अनेक धर्म संप्रदाय होने के बावजूद इसे बहुत ही उत्साह और भाईचारे के साथ मनाया जाने वाला महापर्व माना गया है। इसे समरसता का एक बड़ा प्रतीक भी माना गया है, एकमात्र होली ही ऐसा सनातनी त्यौहार है जो भारत देश की धर्मनिरपेक्षता का जीता जागता अभूतपूर्व उदाहरण है। भाईचारे की इस त्यौहार में रंगों की आत्मीयता से मिलन की मिठास दुगनी हो जाती है। वर्ग विभेद वाले इस त्यौहार में हिंदू मुस्लिम सिख इसाई सब एकता पूर्वक इस पर्व को संपूर्ण गर्व के साथ से मनाते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी किताब डिस्कवरी ऑफ इंडिया में लिखा है कि भारत स्वयं में एक लघु विश्व है। निसंदेह इ भारत पर अध्ययन करने वाले सभी चिंतकों तथा विद्वानों ने एकमत से यह माना है कि भारत विविधताओं व बहुलताओं के मामले में विश्व का अनूठा एवं दिलचस्प देश है। अनेक प्रकार की भाषाएं, रीति रिवाज, खान-पान, रहन-सहन, लोकगीत,नृत्य, धर्म, संप्रदाय, सामाजिक संरचनाएं और संस्थाएं इस देश को बेहद बहुलतावादी और वैविध्यपूर्ण राष्ट्र बनाती है। इस विशाल, बहु भाषाई, बहु सांस्कृतिक देश की अपनी विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक, ऐतिहासिक, भौगोलिक, दार्शनिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, जनसांख्यिकी और भाषाई विभिन्नताएं, विषमताऐ और विशेषताएं विद्वमान है। जो इस देश की विविधता में एकता की खूबी को प्रदर्शित करती है। भारत की सामाजिक संरचना स्वयं में काफी जटिल है। देश में समाज बहुत सारे वर्गों उप वर्गों में बटा हुआ है, इसी तरह यहां समाज में ग्रामीण, उपनगरीय, नगरीय, महा नगरीय, जनजातीय, पहाड़ी कैसे वर्गों में विभाजित हुआ है। भारत में सामाजिक वर्ग भेद के साथ अंदरुनी अंतर्द्वंद भी बहुत ज्यादा है,जैसे कि एकल परिवार और संयुक्त परिवार जातिवादी जाति विहीन समाज ग्रामीण नगरीय द्वंद विवाह सन्यास का द्वंद जो अनेक रूपों में भारतीय समाज में जनमानस के रूप में दिखाई देता है और यह द्वंद स्वतंत्रता के पश्चात से दिखाई देने लगा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जहां ग्राम स्वराज को आर्थिक विकास की धुरी मानते हुए सर्वोदय पंचायती राज स्वरोजगार एवं परस्पर सहयोग को बढ़ावा देना चाहते थे,दूसरी तरफ पंडित जवाहरलाल नेहरू का झुकाव औद्योगिक दृष्टि से पिछड़े क्षेत्र को तीव्र औद्योगिकरण , कल कारखानों को मजबूत करने की ओर था। इसीलिए भारतीय समाज में मिश्रित अर्थव्यवस्था की नई व्यवस्था के माध्यम से इसका समुचित समाधान निकाला गया था।

भारत के राजनीतिक द्वंद भी बहुतायत में रहे हैं। आजादी से पहले कांग्रेस के गरम पंथ हुआ नरम पंथ का द्वंद चलता रहा है और पूर्ण स्वराज की मांग का उहापोह तथा आजादी के बाद संविधान निर्माण के समय संविधान की संघात्मक तथा एकात्मक रचना का विवाद या समाजवाद पूंजीवाद का द्वंद इसी तरह भारत दोनों में उलझता रहा है, और उसके बाद समाधान निकाल कर उससे बाहर भी आया है। भारत धार्मिक ,दार्शनिक व आध्यात्मिक दृष्टि से एक बेहद समृद्ध राष्ट्र रहा है। विश्व के चार प्रमुख धर्मों हिंदू, सिख, बौद्ध ,जैन की जन्मस्थली भारत ही रही है। इसी तरह भारत वेद पुराणों, उपनिषदों ,ब्राह्मणों, समितियों और आरण्यकों के प्राचीन साहित्य से लबालब भी रहा है। इसके अलावा इस्लाम ,ईसाई ,पारसी जैसे धर्मों को देश में स्वयं सम्मानित कर अपनी मुख्यधारा में समाहित भी किया है। भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विदेश नीति के मामले में गुटनिरपेक्षता की नीति को अपना कर किसी भी गुट में न रहते हुए स्वतंत्र विकास की नीति को अपनाया था। जो कालांतर में भारत की विदेश नीति का आधार स्तंभ रहा है। भारत में बहुआयामी विविधता भी रही है। स्वतंत्रता संग्राम में राजनेताओं ने जहां एक स्वर में हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का पक्ष लिया था वहीं दूसरी तरफ देश के कुछ हिस्सों में हिंदी विरोधी आंदोलन तक हुए हैं। भारत में संविधान में हिंदी को राजभाषा का दर्जा देते हुए कुल 22 भारतीय भाषाओं को आठवीं अनुसूची में सम्मिलित कर भाषाई सौहार्द्र और समन्वय का बखूबी परिचय भी दिया है। और भारत में भारतीय संस्कृति के बहुलतावादी चरित्र को बनाए रखने की भविष्य में भी निरंतर आवश्यकता बनी रहेगी। भारतीय समाज की विविधता पूर्ण सांस्कृतिक,साहित्यिक, दार्शनिक व्यवस्था के बीच विद्वानों ने चिंतन मनन कर इसके बीच का समाधान भी निकाला है एक का सबसे बड़ा उदाहरण भारत में सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों को महत्व देते हुए मिश्रित अर्थव्यवस्था का अंगीकार करना है। भारत की विजेताओं के विभिन्न नेताओं ने भारत देश के अंदरूनी मामले को लेकर देश की अर्थव्यवस्था सामाजिक व्यवस्था तथा राजनीतिक व्यवस्था को काफी मजबूत तथा पुख्ता भी किया है। भारत की विविधता में एकता के सिद्धांत पर चलते हुए भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था सामाजिक व्यवस्था राजनीतिक व्यवस्था तथा विदेशी नीति पर एक मजबूत आधार स्तंभ रखकर अपनी विश्व में एक अलग छवि तथा स्थान बनाया है। भारत में अनेक विविधताओं विषमताओं को विशेषता बनाकर समाधान अपने बीच ही खोज कर विश्व को एक कीर्तिमान बनाकर दिखाया है। आज भारत में इतनी बड़ी जनसंख्या और विभिन्न जातीय धर्म संस्कृति भाषाएं होने के बावजूद एकजुटता की नई मिसाल दिखाकर विश्व के किसी भी देश को टक्कर देने की स्थिति में है। भारत आज विकासशील देशों में अग्रणी देश माना जाता है। भारत की यही विविधता,विषमता ,साइंस, टेक्नोलॉजी,मेडिकल साइंस तथा सामरिक क्षेत्र में अद्भुत एकजुटता किसी भी देश के आक्रमण का सामना करने के लिए सीना तान कर खड़ा होने की शक्ति सामर्थ और ताकत भी प्रदान करता है। स्वतंत्रता के बाद भारत ने जितनी प्रगति और वैश्विक स्तर पर विदेशी देशों का विश्वास अर्जित किया है वह निसंदेह भारत की प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक परंपरा के कारण ही है। भारत की विविधता में एकता भारत की एक बड़ी शक्ति है जिसे हमें निरंतर बनाए रखना होगा तब जाकर हम किसी भी देश के सामने सिर उठाकर खड़े हो सकते हैं।

दुनियाभर की साजिशों का शिकार एशिया

- डॉ. सत्यवान सौरभ

एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य सदियों से संघर्ष, हस्तक्षेप और साजिशों से घिरा रहा है। यह महाद्वीप न केवल जनसंख्या और संस्कृति का केंद्र है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से भी विश्व का सबसे समृद्ध क्षेत्र माना जाता है। फिर भी, विडंबना यह है कि यही एशिया बार-बार युद्धों, अस्थिरता और गरीबी की आग में झोंका जाता रहा है। आज ईरान-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ता तनाव हो या कंबोडिया-थाईलैंड के बीच सीमा संघर्ष, ये घटनाएँ मात्र संयोग नहीं लगतीं। इनके पीछे एक व्यापक वैश्विक रणनीति काम करती दिखती है, जिसमें एशिया को अशांत रखकर बाहरी शक्तियाँ अपने हित साधती हैं। एशिया जले, और विकसित देशों की तिजोरियाँ भरें—यही इस राजनीति का नंगा सच है। ग्लोबल साउथ के देश संसाधनों से भरपूर हैं, लेकिन निर्णय-शक्ति से वंचित। तेल, गैस, कोयला, दुर्लभ खनिज, उपजाऊ भूमि और युवा जनसंख्या—सब कुछ होने के बावजूद ये देश कर्ज, बेरोजगारी और अस्थिरता में फँसे रहते हैं। इसका मूल कारण केवल आंतरिक कमजोरियाँ नहीं, बल्कि वह वैश्विक व्यवस्था है जो दशकों से इन्हें निर्भर बनाए रखने के लिए गढ़ी गई है। विकसित देशों ने औपनिवेशिक काल में जिस लूट की शुरूआत की थी, वही आज नए रूप में जारी है—कभी मुक्त व्यापार के नाम पर, कभी लोकतंत्र और मानवाधिकारों की आड़ में।

ईरान-पाकिस्तान तनाव इसका ताजा उदाहरण है। ईरान पर लंबे समय से लगे प्रतिबंधों ने उसकी अर्थव्यवस्था को कमजोर किया है, जबकि पाकिस्तान लगातार विदेशी कर्ज और आर्थिक दबाव में जी रहा है। ऐसे में सीमा पर उभरता तनाव केवल स्थानीय मुद्दा नहीं रह जाता। बलूचिस्तान जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अस्थिरता दोनों देशों को आमने-सामने खड़ा कर सकती है। यदि यह तनाव बढ़ता है, तो पूरे दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया में ऊर्जा मार्ग बाधित होंगे। तेल और गैस की कीमतें बढ़ेंगी, जिसका सीधा लाभ वैश्विक बाजारों पर नियंत्रण रखने वाली शक्तियों को मिलेगा। युद्ध भले एशिया में हो, लेकिन मुनाफा कहीं और दर्ज होगा।

इतिहास गवाह है कि बाहरी ताकतें अक्सर स्थानीय विवादों को हवा देकर अपने हित साधती रही हैं। कभी वे मध्यस्थ बनकर सामने आती हैं, तो कभी सैन्य सहायता और सुरक्षा के नाम पर अपने ठिकाने स्थापित कर लेती हैं। अफगानिस्तान इसका ज्वलंत उदाहरण है, जहाँ दशकों तक युद्ध चला, समाज टूट गया, और अंततः वही देश सबसे अधिक तबाह हुआ, जिसे ह्लमददह्व देने का दावा किया गया था। ऐसे ही हालात एशिया के अन्य हिस्सों में भी दोहराए जा रहे हैं।

दक्षिण-पूर्व एशिया में कंबोडिया-थाईलैंड विवाद भी इसी रणनीति की कड़ी प्रतीत होता है। सीमा क्षेत्रों में मौजूद मंदिरों और ऐतिहासिक स्थलों को लेकर तनाव कोई नया नहीं, लेकिन हाल के वर्षों में इसमें जिस तरह सैन्य रंग घुला है, वह चिंताजनक है। यह क्षेत्र दुर्लभ खनिजों से समृद्ध माना जाता है, जिनकी मांग नई तकनीकों और ऊर्जा परिवर्तन के दौर में तेजी से बढ़ रही है। जब दो पड़ोसी देश आपस में उलझते हैं, तो बाहरी शक्तियों के लिए हस्तक्षेप आसान हो जाता है। सैन्य सहायता, निवेश और कर्ज के बदले संसाधनों तक पहुँच बना ली जाती है। अंततः नुकसान स्थानीय जनता का होता है—पर्यावरण विनाश, विस्थापन और आर्थिक असमानता के रूप में। ग्लोबल साउथ की यह स्थिति अचानक नहीं बनी। बीसवीं सदी के मध्य से ही विकसित देशों ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका को कच्चे माल के स्रोत और तैयार माल के बाजार के रूप में इस्तेमाल किया। औपनिवेशिक शासन खत्म हुआ, लेकिन आर्थिक संरचना नहीं बदली। आज भी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ कर्ज देती हैं, लेकिन बदले में ऐसी शर्तें थोपती हैं, जो इन देशों की नीतिगत स्वतंत्रता छीन लेती हैं। संसाधनों का निजीकरण, सब्सिडी में कटौती और आयात-निर्भरता—ये सब उसी जाल के हिस्से हैं।

इस पूरी व्यवस्था में आंतरिक कमजोरियाँ भी कम जिम्मेदार नहीं हैं। भ्रष्टाचार, सत्ता संघर्ष, जातीय और धार्मिक विभाजन इन देशों को भीतर से खोखला करते हैं। जब समाज बँटा होता है, तो बाहरी हस्तक्षेप और आसान हो जाता है। सत्ता में बैठे लोग अल्पकालिक लाभ के लिए दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों से समझौता कर लेते हैं। जनता की आवाज दब जाती है, और निर्णय कुछ गिने-चुने वर्गों तक सीमित रह जाते हैं।

फिर भी, यह मान लेना कि ग्लोबल साउथ असहाय है, एक बड़ी भूल होगी। समाधान मौजूद हैं, बशर्ते इच्छाशक्ति हो। सबसे पहला कदम है क्षेत्रीय एकजुटता। एशिया के देशों को आपसी विवादों को संवाद और सहयोग से सुलझाना होगा। सीमा विवाद हों या संसाधनों का बँटवारा—इनका हल युद्ध नहीं, बल्कि साझा समझ में है। जब पड़ोसी देश एक-दूसरे के साथ खड़े होंगे, तो बाहरी ताकतों की गुंजाइश अपने-आप कम हो जाएगी। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है आर्थिक स्वावलंबन। संसाधनों पर वास्तविक नियंत्रण तभी संभव है, जब स्थानीय उद्योग और सार्वजनिक क्षेत्र मजबूत हों। केवल कच्चा माल निर्यात करने के बजाय मूल्यवर्धन पर जोर देना होगा। तकनीक का हस्तांतरण जरूरी है, लेकिन उत्पादन क्षमता देश के भीतर विकसित करनी होगी। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कटना नहीं, बल्कि बराबरी के आधार पर जुड़ना है।

पर्यावरणीय न्याय भी इस संघर्ष का अहम हिस्सा है। ऊर्जा परिवर्तन के नाम पर जिस तरह खनन बढ़ाया जा रहा है, उसका सबसे बड़ा बोझ आदिवासी और ग्रामीण समुदाय उठा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से भी वही देश सबसे अधिक प्रभावित हैं, जिन्होंने इसमें सबसे कम योगदान दिया है। ऐसे में वैश्विक मंचों पर न्यायपूर्ण हिस्सेदारी और जिम्मेदारी की माँग करना अनिवार्य है। सामाजिक स्तर पर भी बदलाव जरूरी है। शिक्षा प्रणाली में केवल तकनीकी ज्ञान नहीं, बल्कि इतिहास, राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था की समझ विकसित करनी होगी। मीडिया और सूचना तंत्र को सजग बनाना होगा, ताकि प्रोपेगैंडा और भ्रम से समाज को बचाया जा सके। युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि स्थानीय समस्याएँ अक्सर वैश्विक संरचनाओं से जुड़ी होती हैं।

अंततः, एशिया का भविष्य उसके अपने हाथों में है। यदि यह महाद्वीप लगातार टकराव और अस्थिरता में उलझा रहा, तो इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। लेकिन यदि एशिया एकजुट होकर अपने संसाधनों, अपनी नीतियों और अपने समाज पर नियंत्रण स्थापित करता है, तो वैश्विक शक्ति संतुलन बदल सकता है। यह समय केवल प्रतिक्रिया का नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और ठोस कदम उठाने का है।

एशिया को अब किसी और की लड़ाई का मैदान बनने से इनकार करना होगा। संसाधन हमारे हैं, जनता हमारी है और भविष्य भी हमारा होना चाहिए। ग्लोबल साउथ को दया नहीं, न्याय चाहिए; हस्तक्षेप नहीं, सम्मान चाहिए। यही संघर्ष की असली दिशा है, और यही एक न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था की नींव बन सकती है। **-डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।**

तारापुर एमआईडीसी क्षेत्र में ओलियम गैस रिसाव, प्रशासन की तत्परता से टला बड़ा हादसा

158 श्रमिक सुरक्षित, चार राहगीरों को एहतियातन कराया गया उपचार

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के बोईसर तारापुर एम आई डी सी क्षेत्र में सोमवार 2 मार्च को दोपहर एक रासायनिक इकाई में ओलियम गैस के रिसाव से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि जिला प्रशासन, पुलिस और औद्योगिक सुरक्षा विभाग की त्वरित व समन्वित कार्रवाई के चलते शाम तक स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में आ गई और एक बड़ा हादसा टल गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बोईसर तारापुर औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत प्लॉट नंबर डी-17 स्थित भगेरिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड में दोपहर करीब दो बजे 65 प्रतिशत ओलियम रसायन का रिसाव शुरू हुआ। यह रिसाव 2 किलोलीटर क्षमता वाले डे-टैंक के लेवल इंडिकेटर ग्लास से हुआ। प्रारंभ में मामूली स्तर पर शुरू हुआ रिसाव धीरे-धीरे बढ़ता गया, जिससे सल्फर ट्रायऑक्साइड गैस का घना धुआं फैक्ट्री परिसर में फैल गया। धुएं के कारण परिसर में दृश्यता अत्यंत कम हो गई थी, जिससे बचाव दल को रिसाव के स्रोत तक पहुंचने में शुरूआती कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हवा की दिशा दक्षिण की ओर होने से धुआं लगभग एक किलोमीटर तक फैल गया, जिससे आसपास के क्षेत्र में भी सतर्कता बरती गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जमीन पर गिरे ओलियम को फैलने से रोकने और हवा के संपर्क में आकर रासायनिक प्रतिक्रिया बढ़ने से बचाने के लिए उस पर तुरंत रेत डाली गई और पूरी तरह ढक दिया गया। इस प्रभावी कदम से धुएं का उत्सर्जन नियंत्रित हो गया। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस विभाग तथा औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संचालनालय (डी आई एस एच) के अधिकारी मौके पर पहुंचे। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने सख्त बंदोबस्त किया।

विशेषज्ञों की टीम ने स्वयंपूर्ण श्वसन यंत्र (एस सी बी ए) पहनकर दोपहर 3:40 बजे रिसाव रोकने का अभियान शुरू किया। लगातार प्रयासों के बाद शाम 6:30 बजे तक स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में कर ली गई। घटना के समय फैक्ट्री में कुल 158 कर्मचारी कार्यरत थे, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी को भी कोई शारीरिक क्षति नहीं पहुंची। हालांकि सड़क से गुजर रहे चार नागरिकों में तनु मिश्रा, हरिश्चंद्र मोवले, भाविका मोरे और महेश माली गैस के संपर्क में आ गए थे। जिन्हें तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई।चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति अब स्थिर और खतरे से बाहर बताई जा रही है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस घटना में किसी भी श्रमिक या नागरिक के जीवन को खतरा नहीं हुआ। फिलहाल क्षेत्र की सतत निगरानी की जा रही है और सुरक्षा मानकों की समीक्षा भी की जायेगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उक्त जानकारी माधव तोटेवाड सह संचालक, औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य, पालघर द्वारा जारी की गई है।

बी.एन.एन. कालेज में 7 मार्च को स्पेस विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, पंचमहाभूत की अवधारणा पर होगा मंथन

भिवंडी। पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडल द्वारा संचालित बी.एन.एन. कॉलेज, भिवंडी में 7 मार्च को ह्रस्पेस (अवकाश)ह्व विषय पर एक दिवसीय अंतरविषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया है। यह सम्मेलन ह्रपंचमहाभूतह्व की संकल्पना पर आधारित है, जिसमें पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु और आकाश जैसे पंचतत्वों के माध्यम से अवकाश की वैज्ञानिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं दार्शनिक व्याख्या की जाएगी। कालेज के प्रभारी प्राचार्य डा. शशिकांत म्हालूंकर ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सम्मेलन आनलाइन और आफलाइन दोनों माध्यमों से आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश के नामांकित शोधकर्ता, मुंबई सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक तथा विद्यार्थी भाग लेंगे। ग्रीस सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ग्लोबल अकैडेमिशियन डा. रानिया लैंपौ मुख्य वक्ता के रूप में मार्गदर्शन करेंगी। सम्मेलन के अंतर्गत अंतरिक्ष विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम तकनीक, प्लाज्मा फिजिक्स, कृषि, जलवायु परिवर्तन, भू-स्थानिक विश्लेषण, साइबर सुरक्षा, भारतीय अंतरिक्ष नीति, इसरो की विरासत तथा मराठी, हिंदी और पाश्चात्य साहित्य में ह्रअवकाशह्व की अवधारणा जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। शोधार्थियों से 150 शब्दों के सारांश के साथ 2000 से 2500 शब्दों का शोधपत्र प्रस्तुत करने का आह्वान किया गया है। चयनित शोधपत्रों का प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन जर्नल में किया जाएगा, वहीं उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए उत्कृष्ट शोधपत्र प्रस्तुति पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा। सम्मेलन के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 3 मार्च निर्धारित की गई है तथा सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र दिया जाएगा।महाविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर का दर्जा दिलाने के उद्देश्य से पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडळ के अध्यक्ष डा. विजय जाधव, कार्याध्यक्ष बालकृष्ण काळे एवं अन्य पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में इस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन की सफलता के लिए प्राचार्य डा. शशिकांत म्हालूंकर के नेतृत्व में उपप्राचार्य व संयोजक प्रा. डा. सुधीर निकम, आईक्यूएसी समन्वयक डा. कुलदीपसिंह राठोड़ तथा आयोजन समिति के सदस्य सक्रिय रूप से प्रयासरत हैं।

पालघर में पानी से भरी खदान में डूबने से दो बच्चों की मौत, एनडीआरएफ ने चलाया सर्च ऑपरेशन

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के मौजे टेन गांव में शुक्रवार 27 फरवरी 2026 की शाम करीब 4:30 बजे एक दर्दनाक हादसे में दो नाबालिग बच्चों की पानी से भरी खदान में डूबने से मौत हो गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कु. जिग्नेश पवार (8 वर्ष) और आयुष पवार (15 वर्ष) नदी किनारे स्थित पानी से भरी खदान में नहाने के लिए गए थे। इसी दौरान गहराई का अंदाजा न लग पाने के कारण दोनों पानी में डूब गए। स्थानीय लोगों को जब घटना की जानकारी मिली तो तुरंत खोजबीन शुरू की गई।

तलाशी के दौरान सबसे पहले जिग्नेश पवार का शव बरामद हुआ, जिसे तत्काल मनोर स्थित ग्रामीण अस्पताल भेजा गया। वहीं आयुष पवार का पता नहीं चल पाने पर प्रशासन की ओर से व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया गया। आयुष की तलाश के लिए राष्ट्रीय आपत्ति प्रतिसाद दल (एनडीआरएफ), पालघर की टीम को बुलाया गया। लगातार अभियान चलाने के बाद आयुष पवार का शव 1 मार्च 2026 को शाम करीब 5:00 बजे बरामद किया गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार दोनों मृतक मूल रूप से मध्य प्रदेश के रहने वाले थे और वर्तमान में टेन गांव में रहकर प्लास्टिक एकत्र करने का कार्य करते थे। परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर बताई जा रही है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। प्रशासन की ओर से लोगों से अपील की गई है कि पानी से भरी खदानों और गहरे जलाशयों के पास बच्चों को न जाने दें तथा सतर्कता बरतें, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके।

सैमसंग गैलेक्सी एस26 सीरीज पर शानदार ऑफर्स के साथ प्री-ऑर्डर शुरू

मुंबई। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज भारत में अपनी सबसे एडवांस्ड एआई स्मार्टफोन लाइनअप, गैलेक्सी एस26 सीरीज, के लिए प्री-ऑर्डर की शुरूआत की घोषणा की। इस सीरीज में गैलेक्सी एस26, एस26+ और एस26 अल्ट्रा शामिल हैं, जो अब तक का सबसे सहज और नैचुरल एजेंटिक एआई अनुभव प्रदान करते हैं। प्लानिंग, सर्च, कंटेंट कैप्चर और एडिटिंग जैसे रोजमर्रा के कार्य अब पहले से कहीं अधिक आसान और स्मार्ट हो गए हैं।

लॉन्च ऑफर के तहत, 256GB वेरिएंट प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों को 512GB स्टोरेज में मुफ्त अपग्रेड दिया जा रहा है। इसके साथ ही, चुनिंदा बैंक ऑफर्स, आकर्षक कैशबैक, एक्सचेंज बोनस और नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्प भी उपलब्ध हैं, जिससे ग्राहकों के लिए प्रीमियम अनुभव तक पहुंच और आसान हो गई है। गैलेक्सी एस26 सीरीज सैमसंग की दमदार परफॉर्मेंस, प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम और उन्नत गैलेक्सी एआई क्षमताओं का बेहतरीन संयोजन है। गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा में विशेष रूप से तैयार किया गया स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 5 मोबाइल प्लेटफॉर्म फॉर गैलेक्सी प्रोसेसर दिया गया है, जो बेहतर सीपीयू, जीपीयू और एनपीयू परफॉर्मेंस के साथ तेज, स्मूथ और एआई-पावर्ड अनुभव सुनिश्चित करता है। नई वेपर चैंबर डिजाइन और उन्नत थर्मल मैनेजमेंट तकनीक के कारण गेमिंग, मल्टीटास्किंग और वीडियो रिकॉर्डिंग के दौरान भी डिवाइस ठंडा और स्थिर रहता है। सुपर-फास्ट चार्जिंग 3.0 तकनीक के जरिए डिवाइस को मात्र 30 मिनट में 75% तक चार्ज किया जा सकता है। कैमरा के मामले में, गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा बड़े अपर्चर, बेहतर नाइटोग्राफी और अपग्रेडेड सुपर स्टेडी फीचर के साथ कम रोशनी में भी स्पष्ट और जीवंत तस्वीरें एवं वीडियो कैप्चर करता है। एआई-सक्षम आईएसपी नैचुरल स्किन टोन और बेहतर डिटेल सुनिश्चित करता है। फोटो असिस्ट और क्रिएटिव स्टूडियो जैसे फीचर्स के जरिए यूजर्स सरल निर्देशों के माध्यम से फोटो और वीडियो एडिट कर सकते हैं, जबकि एडवांस्ड प्रोफेशनल वीडियो सपोर्ट हाई-क्वालिटी प्रोडक्शन वर्कफ्लो को संभव बनाता है। सुरक्षा और प्राइवेसी के क्षेत्र में, गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा मोबाइल इंडस्ट्री का पहला इन-बिल्ट प्राइवेसी डिस्प्ले पेश करता है, जो पिक्सेल-लेवल पर स्क्रीन विजिबिलिटी को नियंत्रित करता है, ताकि स्क्रीन की जानकारी केवल यूजर को स्पष्ट दिखाई दे। इसके साथ एआई-पावर्ड कॉल स्क्रीनिंग, प्राइवेसी अलर्ट्स, प्राइवेट एल्बम, पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी और नॉक्स मैट्रिक्स जैसे उन्नत सुरक्षा फीचर्स दिए गए हैं। सैमसंग 7 जनरेशन के ओएस अपग्रेड और 7 वर्षों के सिक्योरिटी अपडेट्स भी प्रदान करेगा, जिससे डिवाइस लंबे समय तक सुरक्षित और अपडेटेड रहेगा। गैलेक्सी एस26 सीरीज का निर्माण भारत में सैमसंग की नोएडा फैक्ट्री में किया जाएगा, जिसमें बेंगलुरु और नोएडा स्थित अनुसंधान एवं विकास केंद्रों के इंजीनियर्स का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दमदार एआई अनुभव, प्रो-ग्रेड कैमरा, अत्याधुनिक सुरक्षा और आकर्षक प्री-ऑर्डर ऑफर्स के साथ, गैलेक्सी एस26 सीरीज भारतीय उपभोक्ताओं के लिए प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट में एक नया मानक स्थापित करने के लिए तैयार है।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने फरवरी में 63,331 वाहनों की बिक्री दर्ज की

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवीएल) ने फरवरी 2026 में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत प्रदर्शन करते हुए कुल 63,331 यात्री वाहनों की बिक्री दर्ज की। यह फरवरी 2025 में बेची गई 46,811 इकाइयों की तुलना में 35% की प्रभावशाली वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दशार्ता है। कंपनी की घरेलू यात्री वाहन बिक्री फरवरी 2026 में 62,329 इकाइयों पर रही, जो फरवरी 2025 की 46,435 इकाइयों की तुलना में 34% की वृद्धि को दशार्ती है।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय खंड में उल्लेखनीय उछाल दर्ज करते हुए बिक्री 1,002 इकाइयों तक पहुंच गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 376 इकाइयों का था। इस प्रकार, अंतरराष्ट्रीय बिक्री में 167% की मजबूत वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की गई। कुल यात्री वाहन बिक्री, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहन भी शामिल हैं, फरवरी 2026 में 63,331 इकाइयों पर पहुंच गई, जो फरवरी 2025 में 46,811 इकाइयों की तुलना में 35% की वृद्धि को दशार्ती है। इलेक्ट्रिक वाहन खंड में, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों को मिलाकर—जिसमें टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड की बिक्री भी शामिल है—फरवरी 2026 में 8,385 इकाइयों की बिक्री दर्ज की गई। यह फरवरी 2025 की 5,343 इकाइयों की तुलना में 57% की मजबूत वृद्धि को दशार्ता है। सभी खंडों में निरंतर वृद्धि कंपनी के मजबूत उत्पाद पोर्टफोलियो, ग्राहकों के बढ़ते विश्वास और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में बनी हुई सकारात्मक गति को रेखांकित करती है।

मानवीय मदद की दिशा सीमा सिंह के कार्य प्रेरणादायक : अमृता फडणवीस

मेघाश्रेय द्वारा 18 महिलाओं को स्वयं शक्ति सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। समाज सेवा और मानवीय मदद की दिशा में प्रेरणादायक काम कर रही संस्था मेघाश्रेय ने अपने सामाजिक कार्यों से प्रेरणा देने वाली देश की 18 जानी.मानी महिलाओं को सम्मानित किया। लोअर परेल के सेंट रेजिस होटल में आयोजित कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की धर्मपत्नी अमृता फडणवीस प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थिति रही। उन्होंने कहा कि सामाजिक कार्यों से न सिर्फ जरूरतमंद लोगों को मदद मिलती है अपितु समाज और देश को ताकत मिलती है। मेघाश्रेय संस्था की संस्थापक अध्यक्ष सीमा सिंह की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि मानवता के मदद की दिशा में सीमा सिंह ने हमेशा समर्पित भावना के साथ काम किया है। इनकी जितनी भी सराहना की जाए कम है।

ज्ञातव्य हो कि सीमा सिंह अपनी संस्था मेघाश्रेय के माध्यम से पिछले अनेक वर्षों से प्रेरणादायक सामाजिक काम कर रही हैं। विशेषकर जरूरतमंद लोगों और बच्चों को प्रोत्साहित करने की दिशा में उनके द्वारा किए गए कार्यों की हमेशा सराहना की जाती रही है। कैंसर पीड़ित महिलाओं के निशुल्क इलाज हेतु वह हमेशा अग्रणी रहीं। जिन महिलाओं को उनके प्रेरणादायक सामाजिक कार्यों के चलते सम्मानित किया गयाएउनमें डॉ हंसजए अश्वनी भिड़ेए डॉ नंदिताए नंदिता गुप्ताए पलक मुहालए अक्षता कंबोजए हिना खानए मंजू लोढ़ाए शांभवी चौधरीए शिवानी पाटिलए जूही बब्बरए शालिनी पासीए हरदीप कौरए हुमैना काजीए नम्रता पुरोहितए महाबनो मोदीए रूपाली गांगुली तथा रवीना टंडन का समावेश रहा। इस अवसर पर व्यवसायिकए सामाजिक तथा राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़ी सैकड़ो महिलाएं उपस्थित रही। अंत में सीमा सिंह ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी।

संस्कृत भाषा में हुआ विश्व कल्याण का प्रथम उद्घोष : आचार्य प्रभाकरंजन पाठक

आचार्य सूरजपाल यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य संस्कृत साहित्य अकादमी एवं आर्य समाज बोरीवली के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृतभाषायाः महत्त्वम् विषयक परिचर्चा तथा श्लोकवाचन स्पर्धा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षाविदों ने संस्कृत भाषा के वैज्ञानिक, सांस्कृतिक और वैश्विक महत्व पर प्रकाश डाला।

परिचर्चा में आचार्य प्रभाकरंजन पाठक ने कहा कि विश्व कल्याण का प्रथम उद्घोष संस्कृत भाषा में हुआ, वहीं महर्षि दयानंद सरस्वती ने भी संस्कृत के माध्यम से आर्ष ग्रंथों का प्रचार किया। अध्यक्षता मुंबई विश्वविद्यालय की संस्कृत विभाग की पूर्व अध्यक्षा डा. शकुंतला गावड़े ने की।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ संपादक श्रीनारायण तिवारी रहे। कार्यक्रम के पहले सत्र में श्लोकवाचन स्पर्धा आयोजित हुई, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया और विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। अंत में आयोजकों ने संस्कृत के प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर प्रयास का संकल्प व्यक्त किया।

पुलिस भर्ती में आए अभ्यर्थियों के लिए प्रताप सरनाईक द्वारा ठहरने और भोजन की व्यवस्था

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर में पुलिस भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने के लिए महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों से आए उम्मीदवारों के लिए ठहरने और भोजन की विशेष व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था शिवसेना के शिंदे गुट मंत्री प्रताप सरनाईक की ओर से की गई, ताकि दूर-दूर से आए युवाओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसी क्रम में महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री तथा धाराशिव जिले के पालकमंत्री प्रताप सरनाईक ने स्वयं व्यवस्था स्थल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने वहां मौजूद अधिकारियों और कार्यकताओं से पूरी जानकारी ली तथा उम्मीदवारों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और अनुभव से रूबरू हुए। मंत्री सरनाईक ने उम्मीदवारों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पुलिस सेवा में भर्ती होना केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि समाज सेवा का संकल्प है। उन्होंने कहा कि राज्य के कोने-कोने से आए इन युवाओं की आंखों में सपने और दिल में जज्बा साफ दिखाई देता है। इस अवसर पर उन्होंने कहा। इस छोटे से प्रयास के माध्यम से यदि हम इन युवाओं को थोड़ा सा भी सहारा दे पाए हैं, तो यह हमारे लिए संतोष की बात है। महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों से आए इन अभ्यर्थियों की आंखों में जो दृढ़ संकल्प और मेहनत दिखाई देती है, उसे देखकर इनके साथ मजबूती से खड़े रहने का संकल्प और भी मजबूत हुआ है। व्यवस्था स्थल पर साफ-सफाई, सुरक्षा और भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया गया है। अभ्यथीयों के लिए विश्राम की उचित व्यवस्था के साथ-साथ समय पर पौष्टिक भोजन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। कई उम्मीदवारों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे उन्हें मानसिक रूप से भी मजबूती मिली है और वे भर्ती प्रक्रिया पर बेहतर ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं। स्थानीय शिवसेना के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने बताया कि जब तक भर्ती प्रक्रिया चलेगी, तब तक यह व्यवस्था निरंतर जारी रहेगा। इस पहल को सामाजिक सहयोग और जनसेवा की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना, और देखा जा रहा है ।

मनपा स्वास्थ्य विभाग का बजट बढ़ाया जाय: राजा भाऊ सोनटक्के

मुंबई। हाल ही में मुंबई मनपा ने सालाना बजट पेस किया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग के लिए मात्र 7456 करोड़ रूपए का प्रस्ताव पारित किया गया। जो कि मुंबई के मनपा अस्पतालों के लिए ऊंट के मुंह में जीरा वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। जिसके कारण हिंदू राष्ट्र सेवा संघ महाराष्ट्र के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के ने राज्य सरकार और मनपा आयुक्त से स्वास्थ्य विभाग का बजट बढ़ाने की मांग की है।

मनपा आयुक्त को लिखे पत्र में हिंदू राष्ट्र सेवा संघ महाराष्ट्र के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के ने बताया जाता मुंबई नगर और उपनगरों की जनसंख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। एक आंकड़े के अनुसार मौजूदा समय में मुंबई और उपनगर की जनसंख्या 2.25 अर्थात सवा दो करोड़ पहुंच चुकी है। जहां तक मनपा द्वारा संचालित अस्पतालों की बात है तो नायर, के.एम. ,सायन, बांद्रा भाभा, अंधेरी कूपर, घाटकोपर का राजावाड़ी और गोवंडी के मदन मोहन मालवीय, कांदिवली का शताब्दी ये बड़े अस्पताल हैं। जहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में इलाज के लिए मरीज आते हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में मनपा अस्पतालों में दवाओं की घोर किल्लत व्याप्त है। डॉक्टर दवाइयां लिख रहे हैं, लेकिन अस्पताल में दवाइयां नहीं मिल रही हैं। जिसके कारण मरीजों को ज्यादातर दवाइयां मेडिकल स्टोरों से खरीदनी पड़ रही हैं। दवाएं इतनी महंगी है कि गरीब लोग पैसे की कमी के कारण ले नहीं पा रहे हैं। जबकि मनपा के अस्पतालों, क्लीनिकों, स्वास्थ्य केंद्रों और प्रसूति वार्डों में मरीजों को मुफ्त दवाइयां देने का नियम है। राजा भाऊ सोनटक्के ने यह भी बताया कि मनपा द्वारा संचालित अस्पतालों में सोनोग्राफी, एम आर आई, एक्सरे, सिटी स्कैन की मशीनें काफी पुरानी हो चुकी हैं।

जिसके कारण आए दिन अस्पतालों में मशीनें बंद होने की शिकायतें आती रहती हैं। गोवंडी के मदन मोहन मालवीय अस्पताल में अभी भी एक्सरे मशीन बंद है। इसके अलावा दवाओं का अभाव है। जिसके कारण गरीब मरीजों को इलाज में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मनपा स्वास्थ्य विभाग के बजट को बढ़ाए जिससे कि गरीब मरीजों का इलाज अच्छे से हो सके।

हिंदू राष्ट्र सेवा संघ महाराष्ट्र के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के ने बताया कि मुंबई मनपा का सालाना बजट देश के कई छोटे राज्यों से कहीं ज्यादा है।

मध्यपूर्व में बढ़ते तनाव के बीच भारतीयों के लिए सुरक्षा एडवाइजरी जारी

पालघर(उत्तरशक्ति)। मध्यपूर्व और आसपास के देशों में उत्पन्न तनावपूर्ण परिस्थितियों को देखते हुए भारत सरकार के संबंधित दूतावासों ने वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। दूतावासों ने सभी भारतीयों से अपील की है कि वे अत्यधिक सतर्कता बरतें, अनावश्यक यात्रा से बचें तथा स्थानीय प्रशासन और भारतीय मिशनों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें।

एडवाइजरी के अनुसार रामल्ला (फिलिस्तीन), दोहा (कतर), रियाद (सऊदी अरब), तेल अवीव (इजरायल), तेहरान (ईरान), बगदाद (इराक), कुवैत, बहरीन, मस्कट (ओमान), जॉर्डन तथा अबू धाबी (संयुक्त अरब अमीरात) में रह रहे भारतीय नागरिक विशेष सावधानी बरतें। आपातकालीन स्थिति में संबंधित देशों में स्थित भारतीय दूतावासों के 24७7 हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करने की सलाह दी गई है। दूतावासों द्वारा स्पष्ट किया गया है कि वे हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और आवश्यकतानुसार समय-समय पर दिशा-निर्देश जारी किये जा रहे हैं। वहीं महाराष्ट्र शासन ने भी विदेशों में रह रहे राज्य के नागरिकों से शांति और संयम बनाए रखने की अपील की है। सरकार ने कहा है कि नागरिक केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें और किसी भी प्रकार की अफवाह से दूर रहें। आवश्यकता पड़ने पर तुरंत संबंधित भारतीय दूतावास से संपर्क करें। राज्य सरकार केंद्र सरकार एवं भारतीय मिशनों के साथ समन्वय बनाकर स्थिति पर नजर रखे हुए है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पालघर ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी आपात स्थिति में वे निम्नलिखित संपर्क नंबरों में व्हाट्सऐप नंबर: 8237978873, दूरभाष नंबर: 02525-297474, टोल फ्री नंबर: 1077, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी: 9322938937 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों से बचें और केवल अधिकृत स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करें।

मोहनपुर, समस्तीपुर में ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी का शुभारंभ

मुंबई/समस्तीपुर। समस्तीपुर के मोहनपुर क्षेत्र में ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी की नई शाखा का उद्घाटन गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि श्री रोशन कुशवाहा, आईएएस (जिला पदाधिकारी एवं कलेक्टर, समस्तीपुर) ने फीता काटकर स्टोर का उद्घाटन किया।

फ्रेंचाइजी ओनर हर्ष राज ने बताया कि यह स्टोर मोहनपुर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त दवा सेवा उपलब्ध कराएगा, जहाँ उचित मूल्य, ब्रांडेड दवाइयाँ और व्यवस्थित सेवा एक ही स्थान पर मिलेगी।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती अंजू शर्मा, श्रीमती सविता कुमारी, किसलय राज, आदित्य राज, अभिनंदन राज एवं शिप्रा राज उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने इस पहल को क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया।

ई-मेडिक्स की ओर से वकार सिद्दीकी (जनरल मैनेजर) एवं अमनदीप भारद्वाज (ऑपरेशंस मैनेजर) उपस्थित रहे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

यूपी के बहराइच में घर के ही लाल ने बिछा दी लाशें

जमीन बिक्री का पैसा न मिलने से नाराज बेटे ने मां-बाप, दादी व बहन की कुल्हाड़ी से काटकर कर दी हत्या

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यूपी के बहराइच जनपद से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। इसमें जमीन बिक्री का पैसा न मिलने से नाराज बेटे ने मां-बाप, दादी व बहन की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी है। इससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, एहतिहात के तौर पर भारी संख्या में गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है। हत्या आरोपी को चोटें आई हैं, जिसे पुलिस अभिरक्षा में इलाज के लिए भेजा गया है।

जनपद के रुपईडीहा थाना क्षेत्र के बसंतपुर रुदल राम गांव इलाके में पैसों के लिए सनकी बेटे ने कुल्हाड़ी से हत्या कर चार लोगों को मौत के घाट उतार दिया। सभी घायल चीखते-चिल्लाते रहे, मगर वहशी बेटा तब तक शांत नहीं हुआ, जब तक सभी की मौत नहीं हो गई।

एसपी ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी को अभियुक्त निरंकार के भाई गुरुदेव ने ये रिपोर्ट लिखाई है। रिपोर्ट के मुताबिक रामगांव में रात करीब 12 बजे शोर सुनकर जब गुरुदेव अपने कमरे से बाहर आया, तो उसने देखा कि उसका छोटा भाई निरंकार पिता द्वारा बेची गयी जमीन व गहने के पैसे को लेकर विवाद कर रहा था। इसी दौरान आवेश में आकर निरंकार ने कुल्हाड़ी से हमला कर माता-पिता, दादी और बहन को गम्भीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद हमले में घायल चारों की मौत हो गई।

रिपोर्ट के अनुसार निरंकार ने इसके साथ ही जान से मारने की नीयत से कुल्हाड़ी से गुरुदेव के सिर पर भी वार किया। इस वारदात के समय गुरुदेव का लड़का आजाद भी वहां था। आजाद के शोर मचाने पर गांव के लोग भी आ गये। बताते हैं कि इस बीच हमलावर निरंकार ने अपने सिर पर ईंट से कई बार प्रहार कर खुद को भी घायल कर लिया. भाई गुरुदेव पुत्र बदलू वर्मा द्वारा लिखित सूचना पर थाना रूपईडीहा पर धारा-103(1)/109(1) बी0एन0एस0 बनाम निरंकार पुत्र बदलू राम पर एफआईआर दर्ज हुई है।

वहीं मौके से पुलिस ने आरोपी निरंकार को हिरासत में लेकर जिला अस्पताल, बहराइच में इलाज के लिए भर्ती कराया, जहां से उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया। दूसरी ओर वादी गुरुदेव का इलाज प्राथमिक उपचार केन्द्र चरदा, रूपईडीहा में चल रहा है। घटना स्थल का निरीक्षण पुलिस अधीक्षक, बहराइच व अन्य अधिकारियों व फोरेन्सिक टीम द्वारा किया गया।

घटना में मृत बदलू राम पुत्र राम फेरन उम्र 60 वर्ष, संजू देवी पत्नी बदलू राम उम्र 56 वर्ष, पार्वती पुत्री बदलू राम उम्र लगभग 42 वर्ष, सिताला पत्नी राम फेरन उम्र 80 वर्ष का शव पंचायतनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय, बहराइच भेज दिया गया है।

प्राथमिक जांच में घटना अभियुक्त निरंकार द्वारा अपने पिता द्वारा बेची गयी जमीन का पैसा उसको अभियुक्त को न दिये जाने के कारण तात्कालिक रूप से उत्पन्न वाद-विवाद व आक्रोश के कारण होना पाया जा रहा है। पुलिस सभी बिन्दुओं पर गम्भीरता पूर्वक विवेचना/साक्ष्य संकलन कर रही है।

अनियंत्रित कार घर की बाउंड्री तोड़कर घुसी, हंगामा

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली क्षेत्र के बदरका मोहल्ले में रविवार की रात करीब 10 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक कार अनियंत्रित होकर तिराहे के पास स्थित एक घर की बाउंड्री में जा घुसी। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन बाउंड्री दीवार क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार चौक क्षेत्र के एक दुकानदार की बताई जा रही है। चालक ने स्टेरिंग जाम होने की बात कही, हालांकि स्थानीय लोगों ने उस पर नशे में वाहन चलाने का आरोप लगाया। हादसे के बाद कुछ ही देर में मौके पर दर्जनों की संख्या में भीड़ जमा हो गई और चालक के खिलाफ नाराजगी जताने लगी। इस दौरान कार भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई जब कार मालिक का एक साथी मौके पर पहुंचा और चालक को बचाने का प्रयास किया। भीड़ ने उसके साथ मारपीट कर दी। सूचना पर बदरका की महिला चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचीं, लेकिन पर्याप्त पुलिस बल न होने के कारण शुरूआती समय में हालात नियंत्रित करने में कठिनाई हुई। स्थानीय लोग बाउंड्री के नुकसान की तत्काल भरपाई की मांग पर अड़े रहे, जबकि चालक अधिक रकम की मांग पर आपत्ति जताते हुए आधी राशि देने की बात कह रहा था। इसी को लेकर काफी देर तक बहस चलती रही। अंततः महिला दरोगा के हस्तक्षेप से दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ और नुकसान की भरपाई पर सहमति बनने के बाद मामला शांत हुआ।

सात वर्षीय नन्हें रोजेदार मोहम्मद अहमद ने रखा पहला रोजा

मो.फैसल सिद्दीकी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रमजान की बरकतों के बीच मोहल्ला ढालगर टोला के सात वर्षीय नन्हें रोजेदार मोहम्मद अहमद ने इस वर्ष अपना पहला रोजा रखकर अकीदत और सब्र की मिसाल पेश की है। कम उम्र में उनके इस जज्बे की मोहल्ला सहित आसपास के लोगों में काफी सराहना हो रही है। मोहम्मद अहमद सेंट पैट्रिक स्कूल में कक्षा 1 के छात्र हैं।

उनके पिता शमसाद अहमद पेशे से एक व्यवसाई हैं। धार्मिक माहौल में पले-बढ़े मोहम्मद अहमद ने पूरे उत्साह और हिम्मत के साथ रमजान का पहला रोजा रखा। बताया गया कि इस वर्ष रोजे की अवधि लगभग 13 घंटे की है जिसे उन्होंने पूरी लगन और सब्र के साथ पूरा किया। इस उपलक्ष्य में परिजनों ने इफ़्तार पार्टी का आयोजन किया जिसमें काफी संख्या में रोजेदारों ने शिरकत किया।

अहमद के छोटे मामा इरफान इकबाल ने बताया कि अहमद ने सहरी से लेकर इफ़्तार तक पूरे नियमों का पालन किया और इफ़्तार के समय अल्लाह का शुक्र अदा किया। बच्चे के इस हौसले और इबादत के जज्बे को देखकर परिवार के सदस्य काफी खुश हैं। इफ़्तार दावत में आये हुए लोगों ने भी मोहम्मद अहमद की सराहना करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में रोजा रखना आसान नहीं होता लेकिन उनके मजबूत इरादे और धार्मिक भावना ने सभी को प्रभावित किया है। मोहल्ले में अहमद की यह पहल अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रही है। परिजनों ने कहा कि बच्चों में बचपन से ही दीन और अच्छे संस्कारों की तालीम देना जरूरी है और अहमद का यह पहला रोजा उसी दिशा में एक खूबसूरत शुरूआत है।

इस अवसर पर तारिक इकबाल, आसिफ इकबाल, आसिम इकबाल, अरशद इकबाल, साकिब इकबाल, इरफान इकबाल, डॉ.सरफराज खान, डॉ.सैफ हुसैन खान, आरिफ हबीब, मेराज खान, डॉ.अर्शी खान, एजाज शिराजी, हफीज शाह, डॉ.उस्मान, तुफैल अहमद, मोहम्मद आजम, जमाल हाशमी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। मगरिब की नमाज मौलाना वसीम अहमद शेरवानी ने अदा कराई।

अयातुल्लाह खामेनेई की शहादत पर जौनपुर में जनसैलाब, कैंडल मार्च में गूंजे विरोध के स्वर

इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई की शहादत की खबर से जौनपुर में शोक और आक्रोश की लहर दौड़ गई। रविवार की देर रात नासिरया अरेबिक कॉलेज से ह्यअहले जौनपुरह्न के नेतृत्व में विशाल शोक सभा एवं कैंडल मार्च आयोजित किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में पुरुषों और महिलाओं ने भागीदारी की। हाथों में मोमबत्तियां और तख्तियां लिए लोगों ने शांतिपूर्ण ढंग से अपना विरोध दर्ज कराया। मार्च के दौरान अमेरिका और इजराइल के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। पूरे मार्ग पर माहौल गमगीन रहा, वहीं प्रतिभागियों में गहरा रोष भी देखने को मिला।

मजलूमों के रहनुमा थे खामेनेईः सभा को संबोधित करते हुए मौलाना महफूजुल हसन खान ने कहा कि आयतुल्लाह खामेनेई पूरी दुनिया के मजलूमों की आवाज थे। उन्होंने घटना की कड़ी निंदा करते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से संज्ञान लेने की मांग की।

मौलाना ने लोगों से अपील की कि वे संविधान के दायरे में रहकर लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध दर्ज कराएं। साथ ही संयुक्त राष्ट्र से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने संबंधित देशों के उत्पादों के बहिष्कार का आह्वान करते हुए शांतिपूर्ण विरोध जारी रखने की बात कही।

अमन-ओ-अमान की दुआ के साथ मार्च संपन्नः मार्च के समापन पर मौजूद जनसैलाब ने ईरान में शहीद हुए लोगों के लिए दुआ की और विश्व में अमन-ओ-अमान की कामना की। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

इस अवसर पर मौलाना शिराज, शमशीर हसन, डॉ. कमर अब्बास, आबिश इमाम सनी,डॉ इम्तियाज अहमद सिद्दीकी, तहसीन शाहिद, अंजुम शाहिद, इमरान अब्बास, शाकिर जैदी और यासिर इमाम सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सबसे अधिक राजस्व मामले निस्तारित कर जनपदीय न्यायालयों में जौनपुर ने फिर मारी बाजी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निदेर्शानुसार प्रदेश में राजस्व मामलों का त्वरित गति से निस्तारण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्रीजी हर माह जिलावार मामलों की समीक्षा भी करते हैं। शासन की विशेष पहल के तहत तेजी से मामलों के निपटारे की रणनीति को अपनाया गया, जिससे राजस्व विवादों के मामलों में बड़ा सुधार देखने को मिला है। इसी का नतीजा है कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश भर में राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी देखी गयी है। राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) की फरवरी माह की जारी रिपोर्ट में पूरे प्रदेश में सबसे अधिक राजधानी लखनऊ में मामलों को निस्तारित किया गया है जबकि जनपद स्तरीय न्यायालय में राजस्व मामले के निस्तारण में एक बार फिर जनपद जौनपुर ने बाजी मारी है। जनपद स्तरीय न्यायालयों में राजस्व वादों के निस्तारण में पिछले 15 माह से जौनपुर टॉप फाइव जिलों में बना हुआ है।

जनपद स्तरीय न्यायालयों में जौनपुर ने मारी बाजी, 542 मामले किए निस्तारितः जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने बताया कि मा0 मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुसार राजस्व मामलों को निस्तारित किया जा रहा है। बोर्ड ऑफ रेवन्यू की फरवरी माह की राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) की रिपोर्ट के अनुसार जौनपुर की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के निर्धारित मानक के निस्तारण से अधिक मामलों का निस्तारण किया है। जौनपुर की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के प्रति माह निस्तारण के मानक 250 के सापेक्ष 542 मामलों का निस्तारण किया है। इसका अनुपात 216.80 प्रतिशत है। इसी के साथ जनपदीय न्यायालय में राजस्व मामलों के निस्तारण में प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है जबकि मानक 300 के सापेक्ष 381 मामलों का निस्तारण कर दूसरे स्थान पर बस्ती और मानक 300 के सापेक्ष 353 मामले निस्तारित कर तीसरे स्थान पर प्रतापगढ़ है।

जनपद स्तरीय न्यायालयों में राजस्व मामलों के निस्तारण में जौनपुर पहले, भदोही दूसरे और बिजनौर तीसरे स्थान पर

इसी प्रकार माह फरवरी में जौनपुर के जिलाधिकारी न्यायालय ने निर्धारित 30 मामलों के मानक के मुकाबले 86 मामलों का निस्तारण कर 286.67 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की, जो प्रदेश भर में सबसे अधिक है और जौनपुर प्रदेश भर में पहले स्थान पर है। जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा निस्तारित किए गये मामलों में भदोही दूसरे और बिजनौर तीसरे स्थान पर है।

सामुदायिक स्वास्थ केंद्र का मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

सर्जिकल वार्ड, लेबर रूम, इमरजेंसी और ओपीडी की व्यवस्थाएं परखी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रविवार देर शाम प्रभारी सीएमओ डॉ.

प्रभात सिंह ने नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सर्जिकल वार्ड, लेबर रूम, इमरजेंसी कक्ष, ओपीडी कक्षों सहित साफ-सफाई और व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी अस्पताल की व्यवस्था और स्वच्छता से संतुष्ट दिखाई दिए तथा नियमित निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अधीक्षक डॉ. रफीक फारूकी, डॉ. राकेश कुमार, फार्मासिस्ट ग्रीसचंद यादव सहित अस्पताल का स्टाफ उपस्थित रहा।

विषाक्त का सेवन कर युवती ने किया जान देने का प्रयास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कीटनाशक का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास करने में युवती की हालत गंभीर हो गई। उसका उपचार वाराणसी में चल रहा है। बताया जाता है कि तेजी बाजार थाना क्षेत्र के गोरिया कला गांव निवासी दुघर्सन की 22 वर्षीया पुत्री रानी सोमवार सुबह परिजन की किसी बात से नाराज होकर सल्फास का सेवन कर लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ते लगी तो परिजन ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाकर भर्ती कराया। यहां पर भी चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत में सुधार होता ना देख। बेहतर इलाज के लिए वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया।

बहन के घर चौथ लेकर आए युवकों पर बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने लाठी डंडों से किया हमला

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के चौकिया धननेपुर चौराहे के पास 10 से 12 की संख्या में 5 बाइक पर सवार नकाबपोश बदमाशों ने लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मानेपुर ग्राम में लालता बिन्द के यहां अपनी बहन का चौथी लेकर आए थे। जैसे ही वह धन्ननेपुर चौराहा पर पहुंचे अज्ञात बदमाशों ने उनके ऊपर हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल कुमार बिंद 32 वर्ष पुत्र संतलाल बिंद करीमपुर थाना निजामाबाद जिला आजमगढ़ के रहने वाले हैं। एक कार में चार लोग सवार होके अपनी बहन के घर आए थे। जिसमें से अनिल कुमार और उनके चाचा के ऊपर अज्ञात बदमाशों ने लाइन बाजार थाना क्षेत्र के धन्ननेपुर चौराहे के पास लाठी डंडों से हमला कर दिया।

ईरान संकट के मद्देनजर जनपद में इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर स्थापित, हेल्पलाइन नंबर जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ईरान में उत्पन्न युद्ध जैसी स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन सतर्क हो गया है।

जनपद जौनपुर के जो नागरिक किसी भी देश में फंसे हुए हैं या जिन पर संभावित खतरे की आशंका है, उनके परिजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर स्थापित किया गया है।

जिला प्रशासन द्वारा जारी सूचना के अनुसार हेल्पलाइन नंबर 9454417117 तत्काल प्रभाव से सक्रिय कर दिया गया है। उक्त नम्बर पर संपर्क कर परिजन अपने संबंधित व्यक्ति की जानकारी, लोकेशन और अन्य आवश्यक विवरण साझा कर सकते हैं, ताकि शासन स्तर पर समन्वय स्थापित कर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा ने बताया कि यह कंट्रोल रूम 24 घंटे संचालित रहेगा। यहां तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी प्राप्त सूचनाओं को संकलित कर उच्च अधिकारियों तक पहुंचाएंगे तथा आवश्यकतानुसार विदेश मंत्रालय व संबंधित एजेंसियों से समन्वय स्थापित किया जाएगा।

उन्होंने जनपदवासियों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकता पड़ने पर केवल आधिकारिक नंबरों पर ही संपर्क करें। प्रशासन हर संभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध है।

नखास सहित दर्जन भर जगहों पर हुये होलिका कार्यक्रम

होली के पहले चन्द्रग्रहण के चलते एक दिन पहले हुआ यह अनुष्ठान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रंगों का पर्व होली की शुरूआत वैसे तो होलाष्टक से ही हो गयी है लेकिन परम्परा के अनुसार सोमवार को जगह–जगह रेड का पेड़ गाड़कर होलिका दहन कार्यक्रम की भी शुरूआत हुई। मान्यता के अनुसार होलिका दहन कार्यक्रम बसंत पंचमी के दिन से ही शुरू हो जाती है जिसके चलते खाली जगहों पर उसी दिन रेड का पेड़ गाड़ दिया जाता है लेकिन आवागमन के चलते अधिकांश जगहों पर होली के एक दिन पहले यह कार्यक्रम होता है। इस बार होली, होलिका दहन और चंद्र ग्रहण एक साथ खास संयोग बना रहे हैं। मान्य पंचांगों और पारम्परिक ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार सोमवार को होलिका का कार्यक्रम किया गया।

जानकारों की मानें तो 3 मार्च को चन्द्र ग्रहण लग रहा है जिसके चलते सूतक काल, पूजा-विधि, स्नान-दान और मंदिरों के नियमों को लेकर उत्सुकता और बढ़ गयी है। वहीं रंगों वाली होली 4 मार्च को मनायी जायेगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार होलिका दहन पूर्णिमा तिथि और भद्रा की समाप्ति के बाद किया जाता है लेकिन अगर भद्रा समाप्त न हो तो भद्रा के शुभ हिस्से में ही करना उचित माना जाता है। इस वर्ष भद्रा का समय विशेष चर्चा में है, क्योंकि दहन का शुभ मुहूर्त भद्रा के पुच्छ काल में पड़ रहा है। फिलहाल 4 मार्च को पड़ने वाली होली के एक दिन पहले यानी मंगलवार को चन्द्रग्रहण के चलते सोमवार को जगह–जगह होलिका का आयोजन किया गया।

वहीं नखास में सोमवाद को समाजसेवी अशोक जायसवाल 'गप्पू' के नेतृत्व में तमाम लोगों ने यह अनुष्ठान किया गया। इस अवसर पर वैभव वर्मा, अज्जू बेनवंशी, अमन अग्रहरि, तेजस जायसवाल, माला, बृजबाला, संदीप बेनवंशी, आर्यन जायसवाल सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। देखा गया कि नगर के मोहल्ला ओलन्दगंज, जोगियापुर, शेखपुरा, अम्बेडकर तिराहा, लाइन बाजार, पालिटेक्निक चौराहा, रूहट्टा, मछलीशहर पड़ाव, गूलर घाट, गोपी घाट, विसर्जन घाट, बदलापुर पड़ाव, चहारसू चौराहा, कोतवाली चौराहा, सब्जी मण्डी, भण्डारी, सिपाह, रासमण्डल, मानिक चौक सहित तमाम जगहों पर होलिका कार्यक्रम किया गया। विभिन्न क्षेत्रों के आयोजन समिति ने अपने क्षेत्र में रेड़ का पेड़ को पूरे विधि–विधान से सड़क पर गाड़ दिया गया।

करमा ब्लॉक के खुटहनियां में होली मिलन के साथ प्राकृतिक खेती एवं सौर ऊर्जा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। करमा ब्लॉक के अंतर्गत खुटहनियां स्थित इंडियन बैंक ग्राहक सेवा केंद्र प्रांगण में तेजस्वी किसान मार्ट द्वारा होली मिलन समारोह एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों ग्रामवासियों, किसान भाई-बहनों, स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं एवं समूह सखियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

होली के अवसर पर उपस्थित लोगों ने अबीर-गुलाल लगाकर आपसी सौहार्द और सामाजिक एकता का संदेश दिया। इसके साथ आयोजित संगोष्ठी में प्राकृतिक खेती, प्राकृतिक ऊर्जा एवं सौर ऊर्जा के महत्व पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ई. प्रकाश पाण्डेय (संस्थापक, तेजस्वी संगठन न्यास) ने कहा कि प्राकृतिक खेती समय की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से भूमि की उर्वरता प्रभावित हो रही है, जबकि प्राकृतिक खेती से लागत कम होती है और उत्पादन की गुणवत्ता बेहतर होती है। उन्होंने प्राकृतिक ऊर्जा, विशेषकर सौर ऊर्जा को ग्रामीण आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बताते हुए तेजस्वी किसान मार्ट की कार्यप्रणाली और किसानों को बाजार उपलब्ध कराने के प्रयासों की जानकारी दी।

सीता देवी ने स्वयं सहायता समूहों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समूहों के माध्यम से महिलाएं बचत, ऋण, उत्पादन एवं विपणन जैसे कार्यों में सक्रिय योगदान दे रही हैं। उन्होंने समूह सखियों की जिम्मेदारियों और गांव स्तर पर किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर वी एंड पी इंटरप्राइजेज (वेंडरझ्रयूपी नेडा) के प्रतिनिधि आलोक कुमार यादव ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत सौर संयंत्र स्थापना, सरकारी अनुदान, आवेदन प्रक्रिया, पात्रता एवं लाभार्थियों को मिलने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से घरों की छत पर सौर पैनल स्थापित कर बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है तथा दीर्घकाल में आर्थिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यक्रम में प्रवेश द्विवेदी, संतोष कुमार मौर्य (पंचायत मित्र), प्रियंका देवी, आराधना मौर्या, कार्तिकेय मौर्य, विक्की सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

समापन अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, सौर ऊर्जा अपनाने तथा प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना को घर-घर तक पहुंचाने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम का संदेश रहा–प्राकृतिक खेती और स्वच्छ ऊर्जा से आत्मनिर्भर गांव की ओर कदम।

महादेवी हायर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों ने खेली फूलों की होली

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। तिवारीपुर सिधारी स्थित महादेवी हायर सेकेंडरी स्कूल में होली का त्योहार हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर रंग-बिरंगे गुलाल, फूलों की खुशबू और बच्चों की खिलखिलाहट से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के श्लोक और वंदना के साथ की गई, जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। इसके बाद नर्सरी से लेकर यूकेजी तक के नन्हें बच्चों ने फूलों की होली खेलकर मनमोहक प्रस्तुति दी। बच्चों ने पारंपरिक परिधानों में मंच पर आकर सभी का दिल जीत लिया। खास आकर्षण तब देखने को मिला जब बच्चे राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजे नजर आए। उन्होंने फूलों, अबीर और गुलाल के साथ होली खेलते हुए मनभावन प्रस्तुतियां दीं। उनकी मासूम अदाओं और रंग-बिरंगी छटा ने पूरे विद्यालय परिसर को तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजायमान कर दिया। कार्यक्रम

के दौरान विद्यालय प्रबंधक डीपी मौर्य ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि होली का त्योहार आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है। यह पर्व हमें मिल-जुलकर रहने, आपसी मतभेद भुलाने और समाज में समरसता स्थापित करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सद्भाव का भी त्योहार है। अंत में उन्होंने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

इस आयोजन को सफल बनाने में प्रधानाचार्य रामनयन मौर्य, कोऑर्डिनेटर आनंद मौर्य सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आगामी अवकाश की खुशी भी साझा की। पूरे आयोजन ने यह संदेश दिया कि विद्यालय केवल शिक्षा का ही केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार, परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों को संजोने का भी सशक्त माध्यम है।

आनंदनगर में पत्रकार मीटिंग को लेकर चर्चा, नरेंद्र सोनी का हुआ सम्मान

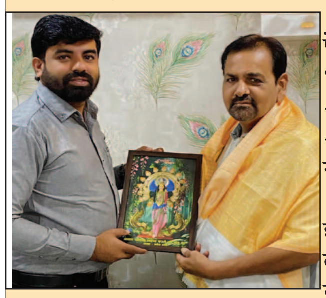

मुंबई। उत्तर शक्ति डेली न्यूज पेपर के मुंबई रिपोर्टर नरेंद्र सोनी को भारतीय जनता पार्टी के उद्योग अगाड़ी महामंत्री मनोज गुप्ता ने आनंदनगर स्थित कार्यालय में सम्मानित किया। इस अवसर पर 15 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली पत्रकारों की बैठक को लेकर अनुसंधान एवं चर्चा की गई। बैठक में पत्रकारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों और संगठनात्मक विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। चर्चा के उपरांत भाजपा जिला उद्योग अगाड़ी महामंत्री मनोज गुप्ता ने नरेंद्र सोनी को दुर्गा माता की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य पत्रकारों के साथ समन्वय और संवाद को मजबूत करना बताया गया। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि मीडिया समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ है और पत्रकारों के सहयोग से जनहित के कार्यों को गति मिलती है।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने फरवरी 2026 में 567351 यूनिट बिक्री दर्ज की

पटना (उत्तरशक्ति)। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने फरवरी 2026 में कुल 567351 यूनिट की बिक्री दर्ज की। इसमें 513190 यूनिट घरेलू बाजार में और 54161 यूनिट निर्यात के रूप में शामिल हैं। कंपनी ने फरवरी 2025 की तुलना में ३४ प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की। यह प्रदर्शन घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एचएमएसआई के उत्पाद पोर्टफोलियो की मजबूत मांग को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल 2025 से फरवरी 2026) की वर्ष-से-तारीख अवधि के दौरान, एचएमएसआई ने कुल 5820556 यूनिट की बिक्री दर्ज की। इसमें 5237169 यूनिट घरेलू बिक्री और 583387 यूनिट निर्यात शामिल हैं। एचएमएसआई ने ग्वालियर, कोच्चि, आगरा और मदुरै में सड़क सुरक्षा सम्मेलनों का भी आयोजन किया, जिसमें प्राचार्यों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी रही। इसका उद्देश्य बच्चों में कम उम्र से ही सुरक्षित सड़क व्यवहार की आदत विकसित करना था। साथ ही, एचएमएसआई ने चेन्नई और जयपुर स्थित अपने ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्कों की वर्षगांठ मनाई, जो राइडर शिक्षा और सुरक्षित राइडिंग व्यवहार को बढ़ावा देने की उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कुत्तों ने चार साल के बच्चे को नोचकर मार डाला

शाही (बरेली)। बरेली के शाही थाना क्षेत्र के सुकली गांव में सोमवार को खेत पर गए खुर्शीद के चार वर्षीय बेटे अर्श पर लावारिस कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। मासूम अर्श की मौके पर ही मौत हो गई। परिजन उसे तलाशते हुए पहुंचे तो शव नाले में पड़ा था। कुत्ते उसे नोच रहे थे। कुत्ते नहीं पकड़े जाने से गांव वालों में आक्रोश है। पोस्टमॉर्टम कराए बिना ही परिजनों ने देर शाम शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया।

खुर्शीद ने बताया कि उनके तीन बेटे हैं। चार वर्षीय अर्श सबसे छोटा था। घर से करीब 500 मीटर दूरी पर उनका खेत है। वह रोज सुबह उसे लेकर खेत पर जाते थे। सोमवार को वह पत्नी के साथ जरूरी काम से गांव में चले गए। सुबह जागने पर जब अर्श ने माता-पिता को नहीं देखा तो वह अकेले ही खेत की ओर चल दिया। रास्ते में कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। वह लौटकर आए तो अर्श की तलाश शुरू की। इस दौरान नाले में पड़े बच्चे को कुत्ते नोचते दिखाई दिए। नजदीक जाकर कुत्तों को भगाने के बाद देखा तो वह अर्श था। उसके शरीर पर गहरे घाव थे। कई जगह से कुत्तों ने मांस भी नोच लिया था। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव की हालत देख परिजनों का कलेजा कांप गया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में कुत्तों का आतंक है। आए दिन ये लोगों को दौड़ा लेते हैं। कई को काट भी चुके हैं। कई शिकायतों के बाद भी कुत्तों को पकड़ा नहीं जा रहा।

चंद्र ग्रहण के कारण पूरे दिन नहीं होंगे बाबा आनंदेश्वर के दर्शन

कानपुर (उत्तरशक्ति)। चंद्र ग्रहण के चलते तीन मार्च को आनंदेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना और दर्शन व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है। मंदिर प्रशासन ने रविवार को इसकी सूचना जारी की। सूतक काल को ध्यान में रखते हुए भोर 4:30 बजे होने वाली मंगला आरती के बाद मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। भक्त केवल मंगला आरती के समय ही बाबा के दर्शन कर सकेंगे। चंद्र ग्रहण दोपहर 3:20 बजे प्रारंभ होकर शाम 6:48 बजे समाप्त होगा। कानपुर में चंद्रोदय शाम 6:00 बजे होगा, जिससे ग्रहण का प्रभाव लगभग 48 मिनट तक रहेगा। ग्रहण पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र एवं सिंह राशि में लगेगा और संपूर्ण भारत में दिखाई देगा। ग्रहण समाप्ति के बाद मंदिर परिसर की शुद्धि और साफ-सफाई की जाएगी। इसके बाद बाबा आनंदेश्वर का विधिवत जलाभिषेक और पूजन कराया जाएगा। शाम 7:30 बजे भक्तों के लिए मंदिर के कपाट फिर खोले जाएंगे। शाम की भोग आरती के बाद कपाट बंद कर दिए जाएंगे।

एंटर10 नेटवर्क लेकर आया होली शो चढ़ल फगुआ के रंग 2026

पटना (उत्तरशक्ति)। एंटर10 नेटवर्क भोजपुरी टेलीविजन का सबसे बड़ा होली शो चढ़ल फगुआ के रंग 2026 लेकर आया है, जिसका प्रीमियर 4 मार्च को भोजपुरी सिनेमा पर होगा। एंटर10 नेटवर्क इस त्योहारों के मौसम में अपने शानदार होली स्पेशल, चढ़ल फगुआ के रंग 2026 के साथ टेलीविजन स्क्रीन को रंगीन रंगों में रंगने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह मेगा फेस्टिव इवेंट 4 मार्च को सुबह 9:30 बजे और शाम 5:30 बजे खास तौर पर भोजपुरी सिनेमा पर प्रसारित होगा, जिसमें म्यूज़िक, डांस, स्टार पावर और होली की अनोखी भावना से भरपूर एक हाई-एनर्जी सेलिब्रेशन का वादा किया गया है। एंटर 10 नेटवर्क के एमडी मनीष सिंघल के अनुसार एंटर 10 नेटवर्क का लक्ष्य हर त्योहार को परंपरा और आधुनिकता के अद्भुत संगम के साथ मनाना है। इस वर्ष, हमारा प्रमुख होली उत्सव चढ़ल फगुआ के रंग एक बार फिर दर्शकों के बीच अपनी सांस्कृतिक विरासत का जादू बिखेरेगा। भोजपुरी सुपर स्टार खेसारी लाल यादव इसके शूटिंग के मौके पर बताया कि भोजपुरी दर्शकों के लिए होली इमोशन, सेलिब्रेशन और साथ का दिन हैऔर भोजपुरी सिनेमा का चढ़ल फगुआ के रंग एक फेस्टिवल ट्रेडिशन बन गया है, और हर साल इसका हिस्सा बनना ऐसा लगता है जैसे लाखों परिवारों के साथ एक साथ होली मना रहे हों। भोजपुरी सिनेमा पर यह स्पेशल देख सकते हैं क्योंकि हम एक ऐसा सेलिब्रेशन ला रहे हैं जो बड़े लेवल पर, मनोरंजन से भरपूर और यादगार पलों से भरा है।

चार सदस्यीय टीम खोलेगी सील गोदाम का ताला

आजमगढ़। यूरिया की कालाबाजारी मामले में सील किए गए साधन सहकारी समिति पारा मिश्रौली के गोदाम का ताला खोलने के लिए चार सदस्यीय टीम का गठन होगा। सहकारिता विभाग डीएम को पत्र भेजने की तैयारी कर रहा है। जांच के दौरान गोदाम में जो कमियां पाई जाएंगी, उसके आधार पर विभाग समिति के सचिव पर अलग से प्राथमिकी दर्ज कराएगी। बीते मंगलवार को ट्रैक्टर ट्राली से कालाबाजारी के लिए जा रही यूरिया को किसानों ने पकड़ा था। पुलिस ने चालक और ट्रैक्टर-ट्राली सहित यूरिया को अपने कब्जे में ले लिया वहीं, उच्चाधिकारियों के निर्देश पर एडीओ को- ऑपरेटिव वीर बहादुर सिंह यादव ने पारा मिश्रौली समिति के गोदाम को सील कर दिया। तब से गोदाम बंद है। एआर को- ऑपरेटिव अजय कुमार ने बताया कि सील गोदाम को खोलने के लिए डीएम द्वारा चार सदस्यीय टीम का गठन किया जाएगा। इसके लिए कार्यालय में पत्र तैयार किया जा रहा है। होली की छुट्टी खत्म होने के बाद इसे डीएम के पास भेजा जाएगा सचिव, चालक पर पहले ही दर्ज हो चुकी है प्राथमिकी-किसानों में वितरण के लिए आई 136 बोरी यूरिया की कालाबाजारी करने के मामले में बीते शुक्रवार को सचिव और चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एडीओ को- ऑपरेटिव वीर बहादुर सिंह यादव ने अहरौला थाने में समिति के सचिव सुधीर कुमार सिंह और चालक राजीव जायसवाल पर प्राथमिकी दर्ज कराई है।

रंगदारी मांगने व हत्या के प्रयास करने के दो आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बदलापुर पुलिस टीम द्वारा रंगदारी मांगने व हत्या के प्रयास करने की घटना का अनावरण कर त्वरित कार्यवाही करते हुए 02 आरोपी को किया गिरफ्तार। 27.01.2026 को थाना बदलापुर में स्थित सेन्ट जेवियर विद्यालय में फायर करने वाले बदमाश अभियुक्त, जिनके द्वारा पुनः दुस्साहस करते हुए दिनांक 14.02.2026 को सेन्ट जेवियर स्कूल भलुवाही में फायर किया गया था, के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-33/26 धारा 109(1),308(5) बीएनएस व मु0अ0सं0- 59/26 धारा 109(1), 308(5) बीएनएस पंजीकृत किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुवंर अनुपम सिंह के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों/वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी बदलापुर के कुशल पर्यवेक्षण में थाना बदलापुर पुलिस टीम द्वारा दिनांक 27.01.2026 को थाना बदलापुर में स्थित सेन्ट जेवियर विद्यालय में फायर करने वाले बदमाश आरोपियों, जिनके द्वारा पुनः दुस्साहस करते हुए दिनांक 14.02.2026 को सेन्ट जेवियर स्कूल भलुवाही में फायर किया गया था, के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मुकदमा उपरोक्त का अनावरण करते हुए घटना में संलिप्त अभियुक्त पवन यादव पुत्र बच्चू यादव निवासी ग्राम हैदरपुर थाना तेजीबाजार जनपद जौनपुर को आज दिनांक 02.03.2026 को उसरा बाजार के पास से गिरफ्तार किया गया।

अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 40 लीटर कच्ची शराब व 350 किलो लहन बरामद

-सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। अवैध मदिरा के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कंजड़ बस्ती में छापेमारी कर भारी मात्रा में कच्ची शराब और लहन बरामद किया।

अवैध मदिरा के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कंजड़ बस्ती में छापेमारी कर भारी मात्रा में कच्ची शराब और लहन बरामद किया। उत्तर प्रदेश शासन एवं आबकारी आयुक्त के निर्देश पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में चल रहे प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत सोमवार को आबकारी विभाग की टीम ने रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र की कंजड़ स्वीपर बस्ती में संदिग्ध ठिकानों पर दबिश दी। कार्रवाई का नेतृत्व जिला आबकारी अधिकारी के निर्देशन में आबकारी निरीक्षक विनोद कुमार साव, रविनंदन और अमित कुमार ने किया। छापेमारी के दौरान टीम ने लगभग 40 लीटर अवैध कच्ची शराब और करीब 350 किलोग्राम लहन बरामद किया। मौके पर ही पांच भट्ठियों को ध्वस्त कर दिया गया तथा भारी मात्रा में लहन को नष्ट कर दिया गया। इस संबंध में आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में दो अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के निर्माण व बिक्री के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

आजमगढ़ में भाग्यांश ग्रुप का भव्य होली मिलन समारोह, सैकड़ों एसोसिएट लीडर्स की उपस्थिति में भाईचारे और विश्वास का संदेश

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। हरिऔध कला केंद्र में सोमवार को भाग्यांश ग्रुप ऑफ कंपनी, की ओर से भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाग्यांश ग्रुप के एसोसिएट लीडर्स एवं सैकड़ों की संख्या में सहयोगियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हरीऔध केंद्र रंगों, गुलाल और फूलों की खुशबू से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाग्यांश ग्रुप के शेरे पूर्वांचल अमित सिंह ने सबसे पहले कंपनी के सीएमडी डॉ. कुलदीप मिश्रा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि डॉ. मिश्रा द्वारा बनाए गए सशक्त सिस्टम के माध्यम से आज अनेक लोग रियल एस्टेट के क्षेत्र में सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कंपनी अब तक 14 साइटों में से 10 साइटों की बिक्री कर चुकी है, जहां लोग अपने घर बनाकर निवास भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी की सबसे बड़ी पूंजी विश्वास और विश्वसनीयता है, जिसे हर हाल में बनाए रखना है। अमित सिंह ने पांच वर्ष पूर्व आयोजित होली मिलन समारोह का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय मात्र 10 घरों तक मिठाई पहुंचाई गई थी, लेकिन आज पांच साल बाद हरीऔध कला केंद्र पूरी तरह भरा हुआ है, जो कंपनी की निरंतर प्रगति और बढ़ते परिवार का प्रमाण है। समारोह में ह्यरियल स्पर्ट के नाम से पहचाने जाने वाले दिवाकर चौहान ने अपने संबोधन में सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए बिजनेस ग्रोथ का मंत्र दिया। वहीं ह्यगुरुह्न के नाम से जाने जाने वाले अश्वनी कुमार दुबे, राकेश पाठक, रविंद्र कुमार वर्मा, डॉ. राजेश कुमार तथा संतोष कुमार मौर्य ने भी उपस्थितजनों को बधाई दी और एक-दूसरे को गले मिलकर भाईचारे का संदेश दिया। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि यह होली मिलन समारोह भाग्यांश ग्रुप के इतिहास में एक यादगार और ऐतिहासिक आयोजन के रूप में दर्ज होगा। कार्यक्रम के दौरान सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर तथा फूलों की होली खेलकर आपसी प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया। पूरे आयोजन में उत्साह, उमंग और संगठनात्मक एकता की झलक स्पष्ट दिखाई दी। इस अवसर पर धर्मेंद्र यादव, विनय सिंह, चंदन सिंह, शांति रतन, अमरनाथ मौर्या, पंकज विश्वकर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। समारोह का समापन आपसी सौहार्द, संगठन की मजबूती और निरंतर प्रगति के संकल्प के साथ हुआ।

सैमसंग ने लॉन्च की गैलेक्सी एस 26 सीरीज

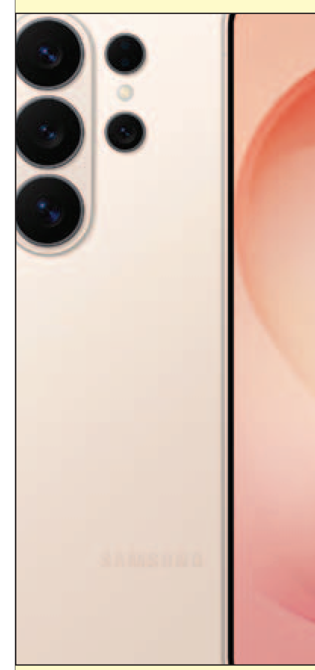

पटना (उत्तरशक्ति)। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने गैलेक्सी एस 26 सीरीज लॉन्च की है जिसमें कमाल की परफॉर्मेंस, इंडस्ट्री का अग्रणी कैमरा सिस्टम और गैलेक्सी एआई अनुभव है जो लोगों के रोजमर्रा के फोन टास्क को आसान बनाएंगे। गैलेक्सी एस 26, एस 26 प्लस और एस 26 अल्ट्रा सैमसंग की तीसरी पीढ़ी के एआई फोन हैं और यह बैकग्राउंड में बड़ी ही आसानी से जटिल टास्क संभालते हैं, जिससे यूजर्स सिर्फ. परिणामों पर फोकस कर सकते हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के सीईओ, प्रेसिडेंट और डिवाइस एक्सपीरियंस डिविजन के हेड टीएम रोह ने कहा कि गैलेक्सी एस 26 सीरीज के साथ हमने एआई को इतना आसान बनाने पर फोकस किया है कि यह बैकग्राउंड में चुपचाप काम करे, ताकि लोग सिर्फ. उन चीजों पर ध्यान दें जो मायने रखती हैं। गैलेक्सी एस 26 सीरीज में सभी मॉडल्स में एक यूनिफाइड डिजाइन लैंग्वेज है, जिसमें शेयर किए गए कलर ऑप्शन्स में कोबाल्ट, वायलट, व्हाइट, ब्लैक और स्काई ब्लू शामिल है।

स्नेहा दुबे पंडित ने विधान भवन के बजट सेशन में पानी के मुद्दे पर आवाज उठाई

वसई रोड। विधान भवन मुंबई में बजट सेशन के दौरान वसई-विरार के लोगों के पानी के मुद्दे पर सदन में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने जोरदार आवाज उठाई गई,वसई-विरार में पानी की सप्लाई के गंभीर मुद्दे पर ध्यान दिलाया गया और सही होने का मुद्दा उठाया गया, 2009 में बनी वसई विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में शामिल 53 गाँवों के घर आज भी उस समय के नियमों के हिसाब से बने हैं और उनके लिए म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सीसी/ओसी (कम्प्लीशन/ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट) का सवाल ही नहीं उठता, ग्राम पंचायत की एनओसी के बाद बने हैं और कुछ घर सौ साल से भी ज्यादा पुराने हैं, 17 दिसंबर, 2024 को सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने बिना सीसी/ओसी वाली बिल्डिंग्स को पानी का कनेक्शन न देने का आदेश दिया, इस वजह से वसई-विरार के हजारों परिवारों को पानी की सप्लाई से दूर होने का डर है, अमृत मिशन 2.0 के तहत पानी डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम पहुँच रहा है, लेकिन सीसी/ओसी कंडीशन की वजह से लोगों को पानी से वंचित रहना पड़ सकता है, यह मुद्दा पहले विंटर सेशन में नोटिस नंबर 1834 के जरिए उठाया गया था। सरकार ने पॉज़िटिव फैसले का भरोसा दिया था, हालाँकि, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की तरफ से अभी तक कोई साफ पॉलिसी अनाउंस नहीं की गई है,ग्राम पंचायत के समय में ऑफिशियली बने घरों को ऑफिशियली स्टेटस दिया जाए और तुरंत पानी के कनेक्शन दिए जाएँ यह जोरदार माँग हाउस में उठाई गई।

अशोक शेलके के पब्लिक रिलेशन कार्यालय का उद्घाटन

वसई रोड। वसई-विरार के वार्ड क्रमांक 22, नवघर, वसई ईस्ट में भारतीय जनता पार्टी के ग्रुप लीडर अशोक शेलके के पब्लिक रिलेशन ऑफिस का भव्य उद्घाटन उत्साह और जोश के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के साथ ही एक विशाल पार्टी प्रवेश समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों और कार्यकताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने पार्टी की विकासोन्मुखी नीतियों पर विश्वास व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। समारोह में राजन नाइक, महासचिव मनोज बारोट, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, अभय कक्कड़, महेश सरवनकर, उदय शेट्टी, केतन गांधी, जिला उपाध्यक्ष कपिल म्हात्रे तथा विपक्ष के नेता मनोज पाटिल सहित सभी नगरसेवक, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि यह पब्लिक रिलेशन ऑफिस वार्ड के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान और विकास कार्यों को गति देने का एक प्रभावी केंद्र साबित होगा।

कार्यक्रम के अंत में ह्लजनसेवा ही हमारा संकल्प और जुनून हैह्व का संदेश देते हुए पार्टी कार्यकताओं ने क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

बिग एफ.एम. ने बड़े प्रभाव वाले पुरस्कारों का चौथा संस्करण मुंबई

शहर के प्रभावशाली व्यवसायों और नेताओं को सम्मानित किया

मुंबई। भारत के सबसे बड़े ब्रांड रेडियो नेटवर्क बिग एफ एम ने बिग इम्पैक्ट अवार्ड्स मुंबई के चौथे संस्करण की मेजबानी की। सबसे प्रेरक उद्यमियों, व्यापारिक नेताओं और परिवर्तनकताओं को एक छत के नीचे मनाते हुए, यह कार्यक्रम सहारा स्टार, मुंबई में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र सरकार के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलर और मुंबई की महापौर रितु राजेश तावड़े ने विजेताओं को प्रतिष्ठित बिग इम्पैक्ट ट्रॉफी से सम्मानित किया। प्रगतिशील प्रभाव का जश्न मनाते हुए पारंपरिक उत्कृष्टता को पहचानने के अपने दर्शन के अनुरूप, बिग इम्पैक्ट अवार्ड्स २०२६ ने उपलब्धि के पारंपरिक मानकों को फिर से परिभाषित किया है। बिग एफएम द्वारा क्यूरेट किए गए, पुरस्कार मुंबई की अदम्य भावना का सम्मान करते हैं, उन नेताओं को सम्मानित करते हैं जिन्होंने न केवल सफल उद्यमों का निर्माण किया है, बल्कि शहर के विकास और सामुदायिक विकास में भी सार्थक योगदान दिया है। ऑटो, रियल एस्टेट और संबद्ध, आतिथ्य, स्वास्थ्य और कल्याण, शिक्षा, फैशन, जीवन शैली और अन्य सहित कई श्रेणियों में फैले बिग इम्पैक्ट अवार्ड्स ने सभी क्षेत्रों में दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता की कहानियों पर प्रकाश डाला।

शाम के ग्लैमर और ऊर्जा को जोड़ते हुए, समारोह में बोमन ईरानी, ईशा देओल, चित्रांगदा सिंह, रजत बेदी, शहनाज गिल, मेधा राणा, अशनूर कौर, ऋत्विक धनजानी, नंदीश कुमार संधू, हरमन बवेजा, विशाल जेठवा, शिव ठाकरे और कई अन्य सहित भारतीय मनोरंजन उद्योग की प्रसिद्ध हस्तियों की उपस्थिति भी देखी गई। कार्यक्रम की मेजबानी बिग एफ. एम. आर. जे. दिलीप, आर. जे. व्रजेश, आर. जे. रानी और आर. जे. साहिल ने की। इस अवसर को चिह्नित करते हुए, बिग एफएम ने अपने प्रमुख आईपी, मैं भी वित्त मंत्री के सीजन 5 का भी शुभारंभ किया, जिसमें सभी उद्योगों की विशिष्ट आवाजों को शामिल करते हुए एक सम्मोहक पैनल चर्चा की गई। पैनल में निदर्शन गोवानी, अनुपमा अग्रवाल, वनिता केसवानी, सौमिनि श्रीधर और हेली दारूवाला शामिल थे, जिन्होंने वित्तीय सशक्तिकरण और धन सृजन पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की।

भैंस चोरी करने वाले 05 आरोपियों गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्रीमती रामरती देवी पत्नी स्व0 राजमणि पाल ग्राम शिवरिहा थाना सुजानगंज जिला जौनपुर द्वारा थाना स्थानीय पर प्रा0 पत्र दिया गया कि 26/02/2026 को रात्रि में 1.27 अट से 1.46 अट के बीच में मेरी 02 भैंस तथा मेरे ही गाँव के दयाराम यादव पुत्र स्व0 जगन्नाथ यादव की 01 भैंस पशु व्यापारी .दीपक पाण्डेय उर्फ शेरू पुत्र राजेन्द्र पाण्डेय ग्राम कुशमौल थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर ,पन्नालाल यादव पुत्र उरी यादव निवासी ग्राम शिवरिहा थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर व लालमणी यादव पुत्र रमाशँकर यादव ग्राम गाड़ापुर थाना फत्तनपुर जनपद प्रतापगढ़ द्वारा चोरी कर लिया गया। जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 56/2026 धारा 303(2) बी0एन0एस0 पंजीकृत किया गया। दौराने विवेचना धारा- 317(2), 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2) बी0एन0एस0 व 3/25 आर्म्स एक्ट व 11 पशु क्रुरता निवारण अधि0 बढ़ोत्तरी की गयी।

कुँवर अनुपम सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी तथा क्षेत्र में हो रही चोरियों को रोकने हेतु चलाये जा रहे। विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी बदलापुर जौनपुर के पर्यवेक्षण में व थानाध्यक्ष सुजानगंज जनपद जौनपुर के कुशल नेतृत्व में थाना सुजानगंज पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-56/2026 धारा- 303(2) बी0एन0एस0 व बढोत्तरी धारा 317(2), 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2) बी0एन0एस0 व 3/25 आर्म्स एक्ट व 11 पशु क्रुरता निवारण अधि0 से सम्बन्धित वांछित आरोपीगण, दीपक पाण्डेय उर्फ शेरू पुत्र राजेन्द्र पाण्डेय ग्राम कुशमौल थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर , पन्नालाल यादव पुत्र उरी यादव निवासी ग्राम शिवरिहा थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर, लालमणी यादव पुत्र रमाशंकर यादव ग्राम गाड़ापुर थाना फत्तनपुर जनपद प्रतापगढ़ , गुलफाम पुत्र मुस्तकीम ग्राम शिवगढ़ बिन्दागंज थाना दिलीपपुर जनपद प्रतापगढ़ (प्रकाश मे) 5. अकमल पुत्र सुहेल अंसारी निवासी ग्राम चन्देली थाना फत्तनपुर जनपद प्रतापगढ़ (प्रकाश में) को दिनांक- 02.03.2026 को समय करीब- 02.15 बजे सुबह कुन्दहाँ से पीपरी घाट जाने वाले रोड पर ग्राम बाल्हामऊ (नेवाजी का पूरा) में गिरिजाशँकर पुत्र रामनरेश ग्राम बाल्हामऊ थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर के खेत के पास से हिरासत पुलिस में लिया गया । तथा उसके कब्जे से 03 राशि भैंस व 01 अदद तमंचा .315 बोर, 01 अदद जिन्दा कारतुस .315 बोर व 01 अदद महेन्द्रा पीकप बरामद किया गया। बाद कार्यवाही आरोपी को मा0 न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

गौ हत्यारे की यूपी में औकात नहीं, गौ माता को खरोंच भी नहीं पहुंचा सकता: केशव प्रसाद मौर्य

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को काशी में कहा कि किसी गौ हत्यारे की इतनी औकात नहीं कि वह प्रदेश में गौ माता को खरोंच भी पहुंचा सके। राज्य सरकार ऐसे लोगों को बिल्कुल बर्दाशत नहीं करेगी और उन्हें छोड़ेगी भी नहीं। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के लखनऊ जाने के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने कहा 'भगवान जगद्गुरु शंकराचार्य हैं। यदि वे कहीं जा रहे हैं या आ रहे हैं, तो भक्तों द्वारा उनका स्वागत करना कर्तव्य है। हम भी एक राम भक्त, एक शिव भक्त, एक कृष्ण भक्त और सनातन संस्कृति के पोषक के नाते उनका स्वागत करते हैं। शंकराचार्य द्वारा प्रदेश में गौ हत्या पूर्णतः बंद कराए जाने के प्रश्न पर मौर्य ने कहा, 'एक गौ भक्त और गौरक्षक के नाते हमने बहुत बड़े आंदोलन किए हैं। गौ हत्यारों और गौ तस्करों को भी अच्छी तरह मालूम है कि उत्तर प्रदेश में गाय हमारी माता है। गाय की रक्षा और सुरक्षा करना सबकी जिम्मेदारी है। गौ माता सबका पालन करती है और गौ माता के प्रति हमारी सरकार-चाहे केंद्र की हो या प्रदेश की-पूर्ण आस्था रखती है। हम मानते हैं कि गौ माता के शरीर में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास है। गौ माता को राज्य माता का दर्जा देने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'गौ माता तो माता है ही। दर्जा देने की क्या आवश्यकता है। बाबा विश्वनाथ जी को विश्व के नाथ का दर्जा कब दिया जाएगा। वे तो विश्वनाथ हैं ही, उनको दर्जा देने की जरूरत है क्या।' उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एक ढोंगी व्यक्ति हैं। उन्होंने सदैव राम भक्तों, शिव भक्तों और गौ भक्तों का दमन किया, गौ तस्करों को संरक्षण दिया और हिंदुओं पर अत्याचार किया। मुस्लिम तुष्टिकरण का काम किया। ऐसे में जब अखिलेश यादव या समाजवादी पार्टी-कांग्रेस कोई बात करें, तो क्या कोई हिंदू समाज का व्यक्ति उन पर विश्वास करेगा। जब भी वे ऐसी बातें करते हैं, तो समझ लीजिए कि यह महज राजनीतिक ढोंग है। मौर्य ने कहा कि 2047 तक देश और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार रहेगी। कमल फिर खिलेगा, सरकार बनेगी और जनता जिस सच्चे राम राज्य की कामना करती है, उसे हम देने का काम कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

वैश्विक शिक्षा का केंद्र बनने की ओर भारत, पांच और विदेशी विश्वविद्यालयों के खुलेंगे कैंपस

नई दिल्ली। विदेशों में पढ़ने जाने वाले छात्रों को देश में उच्च शिक्षा के बेहतर विकल्प मुहैया कराने सहित दुनिया भर के छात्रों के लिए देश को विश्वस्तरीय शिक्षा का बड़ा केंद्र बनाने की योजना को शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को पचास से अधिक देशों के राजनयिकों के साथ साझा किया। साथ ही बताया कि भारत में अब तक 19 शीर्ष विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस खोलने की अनुमति दी जा चुकी है।

इस महीने में अमेरिका, इटली, यूनाइटेड किंगडम व आस्ट्रेलिया के पांच विश्वविद्यालयों को इसकी अनुमति दी गई है। इनमें यूनाइटेड किंगडम के तीन बड़े विश्वविद्यालयों को गुजरात के गिफ्ट सिटी में कैंपस खोलने की अनुमति दी गई है। शिक्षा मंत्रालय की ओर से आयोजित स्टडी इन इंडिया एजुकेशन डिप्लोमैटिक कान्क्लेव-2026 में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में चल रहे प्रयासों को साझा किया। साथ ही बताया कि उनका फोकस शिक्षा की गुणवत्ता, नवाचार और उच्च शिक्षा को सबकी पहुंच में रखने की ओर है। उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका जीवंत ज्ञान तंत्र, बड़ी युवा आबादी का होना और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। देश में मौजूदा समय में कुल आबादी का करीब 65 प्रतिशत हिस्सा 35 साल से कम उम्र के लोगों का है। ऐसे में देश के सामने चुनौती इन्हें उच्च शिक्षा से जोड़ने की है। साथ ही उच्च शिक्षा के लिए इनके विदेशों में होने वाले पलायन को भी रोकने की है। विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस खोलने की अनुमति इसी पहल का एक हिस्सा है। उन्होंने इस दौरान देश के उच्च शिक्षा के विस्तृत ढांचे को भी साझा किया और दुनिया भर के देशों से अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए भारत भेजने की पहल करने को कहा है। उन्होंने बताया कि देश में मौजूदा समय में 12 सौ से अधिक विश्वविद्यालय, 45 हजार से अधिक कालेज व स्वायत्त उच्च शिक्षण संस्थान है। इन सभी संस्थानों में शोध, नवाचार के साथ एआई, जैव प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर और रिन्यूएबल एनर्जी को लेकर तेजी से काम चल रहा है। इस दौरान उच्च शिक्षा सचिव विनीत जोशी ने बताया कि देश में विदेशी विश्वविद्यालयों को कैंपस खोलने की अनुमति देने के लिए एक पारदर्शी व्यवस्था बनाई गई है। जिसके जरिए महीने के भीतर ही उन्हें अनुमति दी जा रही है।

खाड़ी संकट के बीच बिहार सरकार का बड़ा कदम, प्रवासी कामगारों के लिए जारी किया हेल्पलाइन नंबर

पटना। मध्य पूर्व (खाड़ी देशों) में बढ़ते युद्ध के तनाव और सुरक्षा चिंताओं के बीच, बिहार सरकार ने वहां कार्यरत अपने प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कमर कस ली है। श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग ने एक विशेष हेल्पलाइन नंबर 7217788114 जारी किया है। दिल्ली स्थित बिहार भवन से संचालित होने वाली यह हेल्पलाइन चौबीसों घंटे सक्रिय रहेगी। श्रम संसाधन विभाग के सचिव दीपक आनंद ने हेल्पलाइन की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सरकार विदेशों में काम कर रहे अपने हर एक नागरिक की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है। इस हेल्पलाइन के माध्यम से प्रवासी कामगार किसी भी आपातकालीन स्थिति या सूचना के लिए संपर्क कर सकते हैं। विभाग की विशेष टीम 24 घंटे निगरानी रखेगी और जरूरत पड़ने पर भारतीय दूतावास या संबंधित विदेशी एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर तत्काल राहत कार्य करेगी। जिन परिवारों के सदस्य खाड़ी देशों में हैं, वे भी इस नंबर पर कॉल कर अपने परिजनों की सुरक्षा को लेकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। सचिव दीपक आनंद ने स्पष्ट किया कि वर्तमान तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है ताकि किसी भी बिहारी प्रवासी को संकट के समय अकेलापन महसूस न हो। सरकार का मुख्य उद्देश्य वहां रह रहे श्रमिकों की सुरक्षा, उनके सम्मान और आवश्यक सुविधाओं को सुनिश्चित करना है। विभाग ने उन परिवारों से अपील की है जिनके परिजन खाड़ी देशों में कार्यरत हैं। यदि वे किसी भी प्रकार की परेशानी या असुरक्षा का अनुभव कर रहे हैं, तो तुरंत उपरोक्त हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि हर जरूरतमंद प्रवासी तक सहायता पहुंचाने के लिए राज्य प्रशासन पूरी मुस्तैदी से काम कर रहा है।

राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा में सुइथाकला से 40 छात्र-छात्राएं चयनित

राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा में सुइथाकला का जनपद में रहा दबदबा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा 2026-27 में सुइथाकला विकासखंड क्षेत्र का जनपद में दबदबा कायम है। इस परीक्षा का परिणाम रविवार अपराह्न घोषित हुआ है जिसमें जिले में कुल 352 छात्र-छात्राएं चयनित हुए हैं। इस सफलता से बच्चों के अभिभावकों, शिक्षकों और क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। इसमें कंपोजिट विद्यालय डीह असरफाबाद के 11, अशोकपुर कला के 08 और सुइथाकला के 05 बच्चों ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त कर ब्लॉक क्षेत्र में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा उच्च प्राथमिक विद्यालय सुइथाकला से 05, जैनपुर और चेतरहा से 4-4, कुसिया बहार, सारी जहांगीर पट्टी और अरसिया से दो- दो, दिपाईपुर और पूरा संभल से एक-एक बच्चे सफल हुए हैं इसका श्रेय बच्चों और शिक्षकों के कठिन परिश्रम व अभिभावकों के त्याग को जाता है। इस परीक्षा में सफल होने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए हार्दिक बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है। उन्होंने बच्चों, उनके माता-पिता और शिक्षकों के संयुक्त प्रयास को सराहा है। बीएसए ने प्रधानाध्यापकों दुष्यंत मिश्र, सतीश सिंह और पारसनाथ यादव सहित अन्य शिक्षकों को बधाई दी है। उन्होंने भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए कहा जिससे विकासखंड क्षेत्र का प्रदेश और देश में कीर्तिमान कायम रहे। इस मौके पर खंड शिक्षाधिकारी आनंद प्रकाश सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. उमेश चंद्र तिवारी, डॉ. राकेश चंद्र तिवारी, हृदय प्रसाद सिंह रानू, डॉ. रणजीत सिंह, प्रो. रणजीत पांडेय, प्रो. अरविंद कुमार सिंह, प्रो. राकेश कुमार यादव, सुरेश पांडेय, डॉ.अजेय प्रताप सिंह, विनय त्रिपाठी, डॉ.अविनाश वर्मा, धर्मदेव शर्मा, डॉ.विनोद कुमार सिंह वत्स, डॉ. रणंजय सिंह, सुधाकर सिंह, अजय मिश्रा, उमेश चंद्र यादव, पंकज सिंह, संजय सिंह, अरविंद यादव, डॉ. निशाकांत आदि लोगों ने बधाई देते हुए खुशी जताई है।

प्रजापति समाज विकास मंडल की क्षेत्रीय बैठक अलीबाग में संपन्न

अलीबाग, मुंबई। रविवार अलीबाग, प्रजापति समाज विकास मंडल रजि .राष्ट्रीय सामाजिक संस्था एनजीओ की क्षेत्रीय बैठक पोयनाड, अलीबाग में संपन्न हुई। सर्वप्रथम सृष्टि के प्रथम राजा ब्रह्मा जी के मानस पुत्र महाराजा श्री दक्ष प्रजापति जी की फोटो पर वहां के स्थानीय कार्यकर्ता सेवाराम प्रजापति ने पुष्पमाला पहनाकर नमन किया। उपस्थित सभी महानुभावों ने बारी-बारी से फोटो पर पुष्प अर्पित किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रताप प्रजापति ने संस्था के उद्देश्यों एवं कार्यों के बारे में वहां के लोगों को विस्तार पूर्वक बताया। सभी बंधुओं से संस्था से जुड़ने एवं उसका सदस्य बनने के लिए आह्वान किया गया। जिसको उन लोगों ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। वहां के स्थानीय प्रजापति समाज के बंधुओं ने कुछ समस्याओं के बारे में चर्चा किया ,जिसका निराकरण करने के लिए अध्यक्ष द्वारा आश्वासन दिया गया।

बैठक में चंद्र प्रताप प्रजापति राष्ट्रीय अध्यक्ष, गजेंद्र प्रजापति राष्ट्रीय मुख्य महासचिव इंदर प्रजापति रायगड जिला महासचिव, गोवर्धन प्रजापति नवीन पनवेल शहर अध्यक्ष, राज किशोर प्रजापति अलीबाग तालुका अध्यक्ष, महेंद्र प्रजापति, सेवाराम प्रजापति, अशोक, निलेश सहित कई महिलाओं ने भी भाग दिया।

यातायात पुलिस व समस्त थानों द्वारा अभियान चलाकर कुल 860 वाहनों का चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में यातायात नियमों के अनुपालन के दृष्टिगत आज दिनांक- 02.03.2026 को यातायात पुलिस व समस्त थानों द्वारा अभियान चलाकर कुल 860 वाहनों का चालान किया गया।

जनपद में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और यातायात नियमों के पालन हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह के कुशल निर्देशन में पूरे जनपद में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थानों और संवेदनशील मार्गों पर पुलिस बल द्वारा सघन चेकिंग की गई। अभियान का प्राथमिक उद्देश्य जनपद में सुरक्षा व शांति व्यवस्था बनाए रखना तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना रहा। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की बारीकी से तलाशी ली गई। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, तीन सवारी और बिना वैध प्रपत्रों के वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया गया। जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस द्वारा कुल 860 वाहनों का चालान किया गया। जौनपुर पुलिस आम जनमानस से अपील करती है कि वे सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें और सदैव यातायात नियमों का पालन करें।

प्रदेश में फिर बड़ी प्रशासनिक सर्जरी, 19 अफसरों के किए गए एक साथ तबादले

सरगुजा। छत्तीसगढ़ में आजकल प्रशासनिक फेरबदल जारी है। आए दिन किसी न किसी विभाग से कर्मचारियों के तबादले देखने को मिल रहे हैं। अब इसी कड़ी में सरगुजा में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है ,यहां 16 राजस्व निरीक्षकों के तबादले हुए हैं। कलेक्टर अजीत वसंत ने जिले में पदस्थ 16 राजस्व निरीक्षकों के तबादला आदेश जारी कर दिए हैं ।इतने बड़े स्तर पर तबादले प्रशासनिक कसावट और विकास कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से किए समझे जा रहे हैं। जिला प्रशासन के आदेश के अनुसार प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने और राजस्व संबंधी कार्यों में बाधा न रहे और संचालन पूरी तरह से सुगम तरीके से चलता रहे, इसी को ध्यान में ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। कलेक्टर (भू-अभिलेख शाखा) की ओर से जारी आदेश में जिले की विभिन्न तहसीलों में कार्यरत 16 राजस्व निरीक्षकों को नए पोस्टिंग के नए स्थान दे दिए गए हैं।

खामेनेई की मौत से भड़का पाकिस्तान, अमेरिकी दूतावास के बाहर की जमकर तोड़फोड़

कराची। ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई के मौत की खबर सामने आने के बाद पाकिस्तान के कराची शहर में लोगों ने अमेरिकी दूतावास के बाहर जमकर तोड़फोड़ और आगजनी की। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, रविवार को माई कोलाची रोड स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास प्रदर्शन हिंसक रूप ले गया, जिसमें प्रदर्शनकारियों और कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले अधिकारियों के बीच झड़प हुई। जानकारी के अनुसार, शनिवार को तेहरान में संयुक्त अमेरिकी और इजरायली हवाई हमलों के दौरान खामेनेई की मौत की खबर आई। इस खबर ने कराची में लोगों के बीच गुस्सा भड़का दिया। आयातुल्लाह खामेनेई 1989 में आयातुल्लाह रुहोल्लाह खुमैनी के निधन के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता बने थे और तीन दशक से अधिक समय तक उन्होंने देश का नेतृत्व किया। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। इस दौरान कई लोग घायल हुए। घायलों को तुरंत एंबुलेंस की मदद से कराची के सिविल अस्पताल में ले जाया गया। सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लांजर ने कराची के अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक आजाद खान से घटना की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी है और हालात पर नजर बनाए हुए है। इस घटना से पाकिस्तान में खामेनेई की मौत को लेकर गुस्से और तनाव का माहौल साफ दिखाई दे रहा है। नागरिकों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की गई है।

इजराइली हमलों बाद लेबनान सरकार बोली- हिज्बुल्लाह की सैन्य गतिविधियां अवैध

लेबनान। इजराइली हमलों के बाद लेबनान सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह हिज्बुल्लाह HezbollÔh की सभी सैन्य गतिविधियों को गैरकानूनी कृत्य मानती है और संगठन से अपने हथियार राज्य के हवाले करने की मांग की है। लेबनान के प्रधानमंत्री (नवाफ सलाम) Nawaf Salam ने सोमवार को कहा कि देश में युद्ध और शांति से जुड़ा कोई भी निर्णय केवल राज्य का अधिकार है। उन्होंने दो टूक कहा कि हिज्बुल्लाह की सभी सैन्य गतिविधियां प्रतिबंधित हैं और संगठन को केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित रहना चाहिए। सरकार ने सुरक्षा एजेंसियों से कहा है कि वे किसी भी प्रकार की मिसाइल या ड्रोन फायरिंग को रोकें और इसके पीछे शामिल लोगों को हिरासत में लें। यह कदम देश की आंतरिक स्थिरता और संप्रभुता बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है। हज्बुल्लाह लंबे समय से लेबनान में एक राजनीतिक दल के साथ-साथ सशस्त्र संगठन के रूप में सक्रिय रहा है। हालांकि, सरकार का ताजा बयान यह संकेत देता है कि अब राज्य सुरक्षा और सैन्य अधिकारों को पूरी तरह अपने नियंत्रण में लेना चाहता है। विश्लेषकों का मानना है कि सरकार का यह रुख देश की आंतरिक राजनीति और क्षेत्रीय समीकरणों पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि हिज्बुल्लाह सरकार की इस मांग पर क्या प्रतिक्रिया देता है और देश में सुरक्षा स्थिति किस दिशा में जाती है।

अनिल विज का मंत्री रणबीर गंगवा व कई विधायकों ने जाना हाल, जल्द स्वस्थ होने की कामना की

चंडीगढ़ । हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज के अम्बाला छावनी स्थित आवास पर आज लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने पहुंच उनका जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की मंगलकामना की। इस मौके पर उनके साथ भाजपा बरवाला जिला उपाध्यक्ष मुनीष गोयल व अन्य मौजूद रहें। इसी प्रकार, मंत्री अनिल विज से देर शाम हांसी से विधायक विनोद भयाना, रेवाड़ी से विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, सोहना से विधायक तेजपाल सिंह तंवर, नारनौल विधायक ओमप्रकाश यादव और पूंडरी से पूर्व विधायक तेजबीर सिंह ने उनका हालचाल जाना और जल्द स्वस्थ होकर जनसेवा में जुटने की कामना की। वहीं, आज प्रसिद्ध हरियाणवी गायक वीर दाहिया ने मंत्री अनिल विज के आवास पर पहुंच अपने सुरों का जादू बिखेरा और गीत सबको राम-राम है, सबको दिल से प्रणाम गीत गाया जिसपर ऊर्जा मंत्री अनिल सहित वहां मौजूद अन्य विधायकों ने तालियां बजाते हुए सुर से सुर मिलाया।

गुजरात में जमीन विवाद ने लिया खौफनाक रूप: मोरबी में व्यक्ति की हत्या कर शव जलाकर दफनाया

नई दिल्ली। गुजरात के औद्योगिक शहर मोरबी में एक जमीन विवाद ने बेहद क्रूर और सनसनीखेज रूप ले लिया है। पुलिस ने एक व्यक्ति की हत्या का मामला सुलझाते हुए उसके शव को जलाकर दफनाने की जघन्य वारदात का खुलासा किया है। इस साजिश में मुख्य आरोपी सहित एक ही परिवार के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो अन्य फरार बताए जा रहे हैं। पीड़ित की पहचान ताजमहम्मदभाई भट्टी के रूप में हुई है, जो एक भूमि दलाल (लैंड ब्रोकर) के तौर पर काम करते थे। पुलिस के अनुसार, 5 लाख रुपये से जुड़े लंबे समय से चल रहे भूमि विवाद और संपत्ति दस्तावेजों को लेकर तनाव था। आरोपी पक्ष ने विवाद सुलझाने के बहाने पीड़ित को भाडियाद के पास एक सुनसान फार्महाउस में बुलाया, लेकिन यह मुलाकात एक पूर्व नियोजित ₹मौत का जाल₹ साबित हुई। 19 फरवरी को ताजमहम्मदभाई लापता हो गए थे। उनके 22 वर्षीय बेटे रियाज भट्टी ने 26 फरवरी को मोरबी सिटी बी डिवीजन पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद एफआईआर दर्ज हुई। जांच के दौरान मुख्य आरोपी बलूभाई थोभानभाई अघारा ने पूछताछ में जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि पीड़ित को प्लास्टिक के पाइप और लकड़ी के डंडों से बेरहमी से पीटा गया। अपराध के सबूत मिटाने के लिए शव को जलाया गया और फिर एक फैक्ट्री या खेत में अस्थायी कब्र में दफना दिया गया। पुलिस ने बाद में शव के जले हुए अवशेष बरामद किए।

महिंद्रा फार्म इक्विपमेंट बिजनेस ने घरेलू बाजार में दर्ज की 35प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि

मुंबई। महिंद्रा समूह के अंग, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के फार्म इक्विपमेंट बिजनेस (एफईबी) ने आज फरवरी 2026 के लिए अपने ट्रैक्टर बिक्री के आंकड़ों की घोषणा की। घरेलू बाजार में फरवरी 2026 के दौरान 32,153 ट्रैक्टर की बिक्री हुई, जो पिछले साल इसी माह (फरवरी 2025) में हुई 23,880 ट्रैक्टर की बिक्री के मुकाबले सालाना स्तर पर 35% अधिक है। फरवरी 2026 के दौरान कुल 34,133 ट्रैक्टर की बिक्री (घरेलू + निर्यात) हुई जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान 25,527 ट्रैक्टर की बिक्री हुई थी। इस महीने 1,980 ट्रैक्टर का निर्यात हुआ, जो पिछले साल के मुकाबले 20% अधिक है।

मासूमों की जंग में 'चाइल्ड हेल्प फाउंडेशन' बना सहारा

मुंबई / ठाणे। बच्चों के कल्याण और मानवीय सहायता के क्षेत्र में अग्रणी गैर-लाभकारी संस्था, चाइल्ड हेल्प फाउंडेशन ने स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। संस्था ने मुंबई में विशेष रूप से बोन मैरो ट्रांसप्लांट कराने वाले बच्चों के लिए 'होम फॉर BMT' की स्थापना की है। यह केंद्र उन परिवारों के लिए एक सुरक्षित ठिकाना बन गया है जो अपने बच्चों के थैलेसीमिया और अन्य गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए दूर-दराज के इलाकों से मुंबई आते हैं। अक्सर देखा गया है कि अस्पताल की चारदीवारी के बाहर परिवारों को रहने, खाने और परिवहन जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। 'होम फॉर BMT' इसी कमी को पूरा करने का प्रयास है। यह पहल केवल सिर छिपाने की जगह नहीं है, बल्कि एक समग्र सहायता तंत्र है। यहाँ रहने वाले परिवारों को पौष्टिक भोजन, यात्रा सहायता और दैनिक जीवन की आवश्यक वस्तुएं प्रदान की जाती हैं। इसके अलावा, संस्था ने बच्चों की शिक्षा का भी ध्यान रखा है ताकि उपचार के दौरान उनकी पढ़ाई का नुकसान न हो और उनमें सामान्य जीवन जीने का आत्मविश्वास बना रहे। चाइल्ड हेल्प फाउंडेशन का मानना है कि उपचार केवल दवाइयों से नहीं बल्कि एक सकारात्मक वातावरण से भी होता है। अब तक यह संस्था 4,226 से अधिक बच्चों को जानलेवा बीमारियों से लड़ने में मदद कर चुकी है। इस नई पहल के माध्यम से फाउंडेशन उन अनकही चुनौतियों का समाधान कर रहा है जिनका सामना एक गरीब परिवार लंबे इलाज के दौरान करता है। इस पहल पर प्रकाश डालते हुए चाइल्ड हेल्प फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक, जीजी जॉन ने कहा कि 'होम फॉर BMT' का निर्माण केवल चिकित्सा सहायता के लिए नहीं, बल्कि भावनात्मक और व्यावहारिक संबल देने के लिए किया गया है। उन्होंने बताया कि मुंबई जैसे शहर में महंगे खर्चों के कारण कई परिवार इलाज बीच में ही छोड़ने पर मजबूर हो जाते हैं। ऐसे में यह केंद्र माता-पिता के वित्तीय बोझ को कम करता है ताकि उनका पूरा ध्यान केवल अपने बच्चे के ठीक होने पर रहे।

समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को निभाते हुए चाइल्ड हेल्प फाउंडेशन ने सिद्ध कर दिया है कि वह मुश्किल घड़ी में बच्चों और उनके परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है। 'होम फॉर BMT' आज के समय में समाज के लिए एक अमूल्य योगदान के रूप में उभर रहा है।

तालिबान का शर्मनाक फरमान: पत्नी को मारो, बस हड्डी न टूटे!

अफगानिस्तान। तालिबान प्रशासन ने अफगानिस्तान में एक नया फरमान जारी किया है, जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। इस आदेश के अनुसार, यदि कोई पति अपनी पत्नी को मारता है तो उसे अपराध नहीं माना जाएगा। अगर चोट गंभीर हो, तो अधिकतम 15 दिन की जेल हो सकती है। इस डिक्री में कई अन्य कठोर सजाओं का भी उल्लेख है। समलैंगिकता, इस्लाम के खिलाफ विचार फैलाने, बार-बार चोरी करने या कुछ अन्य अपराधों के लिए मौत की सजा का प्रावधान रखा गया है। तालिबान नेता का अपमान करने पर कोड़े और जेल की सजा दी जा सकती है। तालिबान का कहना है कि यह कानून इस्लामी शरीयत के अनुसार है। लेकिन मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि इससे महिलाओं की स्थिति और कमजोर होगी। उनका तर्क है कि जब महिलाएं बिना पुरुष अभिभावक के घर से बाहर नहीं जा सकतीं, तो वे अदालत तक पहुंचकर शिकायत कैसे करेंगी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख Volker Türk ने इस कानून पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को वैधता देता है और अफगानिस्तान में हालात लैंगिक उत्पीड़न जैसे बनते जा रहे हैं। मानवाधिकार संगठन Rawadari ने भी इस डिक्री को न्याय और समानता के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ बताया है। अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से महिलाओं के अधिकार लगातार सीमित होते गए हैं। लड़कियों की माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर प्रतिबंध है। अधिकांश नौकरियों में महिलाओं की भागीदारी बंद कर दी गई है। सार्वजनिक जीवन में उनकी मौजूदगी बेहद सीमित हो गई है। नए कानून के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता और बढ़ गई है। हालांकि फिलहाल तालिबान अपने फैसलों में बदलाव के कोई संकेत नहीं दे रहा।

अब सिर्फ यादों में है गांव की होली

-लाल शेखर सिंह चीफ ब्यूरो

मुंबई। होली रंग और रस का उत्सव है और रंग जीवन की गति बताता है , और रस गति की निरंतरता बनाए रखता है , जब कि रंग अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है, ये दोनों मिल कर होली का रास रचते हैं । होली का रंग खेलवैया तय करता/ करती है जो भी गदोरी में आ जाए , ओद हो या झूर , बस उसे सामनेवाले पर मसल कर , अपनी सी रंग में करना होता है ।और रस? होली का रस तो येकय है - श्रृंगार रस। बाद बाकी रस इस श्रृंगार में आकर मिलते रहेंगे , यहमिलन ही होली उत्सव है।यहाँ होली में , श्रृंगार के दोनों रूप छाये रहते हैं - संयोग और वियोग संयोग खेलता है , प्रेमी और प्रेयसी दोनों को शिखर तक ले जाता है इन कि वियोग उकसाता है। माध्यम बनती है - नवल नट नागर , गाँव की गलियों में घूमती दिख जाती हैं , ठूँठे पेड़ में भी कोपलें फूट निकलती हैं । लम्मारदार सप्तम में शुरू हो जाएँगे ठाकुर के कुवाँ से पानी खींच कर बुझारत बो मंगला मास्टर के घर की ओर जा रही है , रामदुलार के मड़हे में जमी तीन पीढ़ियों की महफिल अपने अपने अन्दाज से देखती है ।एक गगरी बुझारत बो के सिर पर है दूसरी दाँये बाजू के सहारे कमर पर है, बुझारत बो लफार होकर मचकते हुए चली जा रही है , कमर में बल तो पड़ रहा है पर क्या मजाल कि गगरी छलक जाय । बाहर दूर से गीत के बोल उठते हैं - अ रे हाँ रे !लम्मरदार अकनते हैं , हरिहर सिंह की आवाज है , कितनी पक्की आवाज है लम्मरदार गुनगुनाते हैं , शहर वाला गुनगुनाना नहीं , गाँव का गुनगुनाना मध्यम गति से चलता है , जिस तक संवाद भेजना है कम से कम उस तक तो पहुँच जाएँ ।गाँव का संवादी कुछ ज्यादा ही स्वच्छंद होता है , कुछ कुछ उजड्ड भी लेकिन मान्यता प्राप्त किए होता है । लम्मरदार की नजर गगरी पर है , सुर उठा -

सिर घड़ा हाथ में डोरी
झमा झम चली जात गोरी रे
झमाझम, अरे हाँ

बुझारत बो पलटती है , पूरे शरीर से नहीं बस गर्दन से , हू ब हू खजुराहो की उस मूर्ति शिल्प के पोज में जब एक मांसल मुग्धा चलते चलते हुए रुकी है और पैर में काँटा चुभने के बहाने से पीछे कहीं दूर देखती है कनखी से ।बुझारत बो की आँख का काजल चमकता है -

- रुकअ !बताईथ झमाझम !! बहिन

मढ़हे में बैठी जानता बहिन की गाली पर घूम पड़ी , सब की निगाह बुझाता बो पर , सब की आँखों में रूहानी हंसी तैर गई ।बुझारत वो ने जिस बेबाकी से , बेहिचक लम्मरदार के बहन को गाली दिया , थे गाली सौंदर्य ही गढ़ती ही नहीं , गँवाई समाज तरह तरह की खींची गई विभाजन की रेखाओं को भी मिटा देती हैं ।बुझारत वो की गाली ने दो जातियों लम्मरदार ठाकुर और बुझारत्त वो कहार के बीच खड़ी दीवार भसक गई । लम्मरदार ने फिस्स से हंस दिया । अचानक लम्मरदार की पीठ पर कीचड़ काँदो का एक ढेर पीठ पर आ गिरा । लम्मरदार पीछे पलट कर देखा , एक घूँघट की आड़ में नापदान का सड़ा पानी औरों के लिए भी तैयार है । भगदड़ मच गई , परिंदे भागे नीम की फुनगी पर ।गाँव में होली शुरू हो गई है परिंदे भी शामिल हैं ।